राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत–गुजरात,संस्करण शुक्रवार,09अक्टूबर2020 वर्ष–3, अंक–253 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अवर सचिव और वरिष्ठ रैंक के अधिकारियों को रोज जाना होगा दफ्तर-कार्मिक मंत्रालय

नई दिल्ली। केन्द्र सरकार के कर्मचारियों के लिए जारी ताजा दिशा-निर्देश में कार्मिक मंत्रालय ने कहा है कि अवर सचिव और उनसे वरिष्ठ रैंक के सभी अधिकारी अब प्रत्येक कार्य दिवस पर कार्यालय आएंगे। कोविड-19 लॉकडाउन के बाद केन्द्र सरकार ने धीरे-धीरे अपना कामकाज बहाल किया और इस दौरान अंतिम आदेश तक उपसचिव और उससे वरिष्ठ रैंक के अधिकारियों को प्रत्येक कार्य दिवस पर दफ्तर आने का निर्देश था।कार्मिक मंत्रालय के दिशा-निर्देश में कहा गया है कि अवर सचिव रैंक से नीचे के कम से कम 50 प्रतिशत कर्मचारियों की दफ्तर में उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। उसके मुताबिक, जनहित में आवश्यक होने पर विभाग अध्यक्ष 50 प्रतिशत से ज्यादा उपस्थिति भी अनिवार्य कर सकते हैं, लेकिन किसी भी हालात में दो गज की दूरी के नियम का कड़ाई से पालन करना होगा। मंत्रालय ने कहा कि उक्त आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा। उसमें कहा गया है कि निषिद्ध क्षेत्र में रहने वाले सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को उस वक्त तक कार्यालय आने से छूट होगी, जब तक उनका इलाका सामान्य श्रेणी में नहीं आ जाता। दिशा-निर्देश के अनुसार, दिव्यांग और गर्भवती महिला कर्मचारी अगले आदेश तक घर से ही काम करते रहेंगे।

ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी ने कहा-

कोरोना रोकने के लिए गंजाम और धारावी से सीखना होगा

नई दिल्ली। कोरोना संक्रमण रोकने के लिए छोटे छोटे इलाकों पर ध्यान देना होगा। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी ने भी 310 शहरों पर अध्ययन के बाद यह बात मानी है। ओडिशा के गंजाम और महाराष्ट्र के धारावी से यह सीखा जा सकता है, जहां हजारों संक्रमित थे, लेकिन आज 200 से भी कम मरीज हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के बाद अब विश्व बैंक ने भी धारावी मॉडल की तारीफ की है।

रिसर्च-ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी और पूर्वोत्तर विश्वविद्यालय की टीम ने अध्ययन में पाया कि छोटे व घनी आबादी वाले इलाकों में संक्रमण काफी तेजी से फैला। इतना ही नहीं गांवों की तुलना में शहरों में ज्यादा लोगों के संक्रमित होने के पीछे वजह भी यही है। उनके मुताबिक, अगर छोटे पॉकेट में ही चिह्नित कर संक्रमण थाम लिया जाए तो महामारी को फैलने से रोका जा सकता है।

बड़े शहरों में दिक्कत-महामारी विशेषज्ञ डॉ.मोरिज क्रैमर ने कहा, हमने देखा कि मैड्रिड व लंदन जैसे शहरों पर महामारी की मार ज्यादा क्यों पड़ी। क्योंकि ये सघन आबादी वाले इलाके थे जहां तुरंत ध्यान नहीं दिया गया। एक छोटे से कार्यक्रम से भी सैकड़ों लोग संक्रमित होते चले गए। उनके मुताबिक, हर शहर हर घर के लिए कोई एक तरीका नहीं हो सकता है, लेकिन स्क्रीनिंग के उपाय हर जगह एक जैसे हो सकते हैं।

संक्रमण थामने के सबसे सफल मॉडल

गंजाम- ओडिशा के गंजाम जिले में दो मई को पहला मामला मिला। अगस्त में मरीज मिलने की दर 59 पर्सेंट तक पहुंच गई, इसके बाद उपाय किए तो अब 20430 मरीजों में 98 पर्सेंट पूरी तरह टीक हो चुके हैं, सिर्फ 188 मरीज बचे हैं।

क्या किया? कोरोना संक्रमण रोकने के लिए सरपंच को शक्तियां दीं, हर गांव में कोविड मैनेजमेंट कमिटी बनी, जिसने घर-घर जाकर छह बार स्क्रीनिंग की। एक हजार से ज्यादा स्वंयसेवक मनमानी करने वालों पर नजर रखते थे। पांच गांव पर एक एंबुलेंस रखी।

धारावी-दुनिया की सबसे बड़ी झुग्गी बस्ती। यहां 1 अप्रैल को पहला केस आया। उसके बाद तेजी से केस बढ़ते गए। देखते ही देखते 3280 केस सामने आ गए। सतर्कता बरती तो 85 पर्सेंट मरीज ठीक हुए अबी यहां सिर्फ 192 संक्रमित हैं।

मुजफ्फरपुर बालिका गृह कांड की आरोपी मंजू वर्मा को नीतीश ने दिया टिकट, अभी जमानत पर हैं बाहर...

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड यानी जदयू ने तीन चरणों में होने वाले बिहार विधासनभा चुनाव के लिए अपने 115 उम्मीदवारों की पूरी लिस्ट जारी कर दी है। जदयू की कैंडिडेट लिस्ट में एक नाम ऐसा रहा, जिसने सबको चौंका दिया है। नीतीश कुमार की जदयू ने पूर्व मंत्री मंजू वर्मा को भी टिकट दिया है, जो 2018 में मुजफ्फरपुर बालिका गृह कांड की आरोपी हैं और जिन्हें पार्टी ने खुद निकाल दिया था। बता दें कि जदयू की सहयोगी भारतीय जनता पार्टी ने भी अपने उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया है।

मुजफ्फरपुर बालिका गृह कांड में नाम आने और मंत्री पद से हटाए जाने से पहले मंजू वर्मा नीतीश कुमार की कैबिनेट में सामाजिक न्याय मंत्री थीं। मुजफ्फरपुर बालिका गृह कांड में विवादों में रहीं पूर्व मंत्री मंजू वर्मा को भी जेडीयू ने चेरिया विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार बनाया गया है। फिलहाल वह जमानत पर बाहर हैं। इतना ही नहीं, मुजफ्फरपुर कांड सामने आने के बाद जदयू ने उन्हें निलंबित भी कर दिया था।

मंजू वर्मा को नीतीश कुमार की पार्टी से टिकट मिलना इसलिए भी हैरान करने वाला है क्योंकि मुजफ्फरपुर बालिका गृह कांड के वक्त मंजू वर्मा समाज कल्याण विभाग की मंत्री थीं, जिनके ऊपर आरोप है कि उनकी नाक के नीचे बालिका गृह कांड घटित हुआ। इस कांड के सामने आने के बाद उन्हें अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा था। इस पूरे मामले में कथित रूप से मंजू वर्मा के पति चंद्रशेखर वर्मा के भी शामिल होने की बात सामने आई थी। मुजफ्फरपुर बालिका गृह रेप कांड में करीब 34 बच्चियों के साथ रेप की पुष्टि हुई थी। इसके बाद मंजू वर्मा के पति पर भी आरोपी ब्रजेश ठाकुर के साथ संपर्क रखने और अवैध हथियार मिलने की वजह से गाज गिरी थी।

जदयू की लिस्ट से पूर्व डीजीपी गुप्तेश्वर पांडेय का नाम मिसिंग है, जिसे लेकर काफी चर्चाएं हो रही हैं। ऐसी संभावना थी कि वीआरएस लेने के बाद गुप्तेश्वर पांडेय जदयू से टिकट लेकर बक्सर से चुनाव लड़ेंगे, मगर न तो जदयू की लिस्ट में उनका नाम है और न ही बीजेपी ने कहीं से उन्हें उम्मीदवार बनाया है। बता दें कि एनडीए में सीट बंटवारे के बाद जेडीयू को 122 सीटें मिली थीं। जेडीयू ने अपने खाते से 7 सीटें जीतन राम मांझी की दे दी। इस तरह अब नीतीश कुमार की पार्टी के पास 115 सीटें हैं।

जदयू ने कहां से किसे मैदान में उतारा है

1. बाल्मीकि नगर-धीरेंद्र प्रताप सिंह
2. सिकटा-खुर्शीद, उर्फ फिरोज अहमद
3. नरकटिया-श्याम बिहारी प्रसाद
4. केसरिया-शालिनी मिश्रा
5. शिवहर-शरफुद्दीन
6. सुरसंड-दिलीप राय
7. बाजपट्टी-रंजू गीता
8. रून्नी सैदपुर-पंकज मिश्रा
9. बेलसंड-सुनीता सिंह चौहान
10. हरलाखी-सुधां शु शेखर
11. बाबू बरही-मीना कामत
12. फुलपरास-शीला मंडल
13. लौकहा-लक्ष्मेश्वर राय
14. निर्मली-अनिरूद्ध प्रसाद यादवप
15. पिपरा-रामविलास कामत
16. सुपौल-बिजेंद्र प्रसाद यादव
17. त्रिवेणीगंज (सु)-वीणा भारती
18. रानीगंज (सु)- अचमित ऋषिदेव
19. अररिया-शगुफ्ता अजीम
20. ठाकुरगंज-नौशाद आलम
21. कोचाधामन-मुजाहित आलम
22. अमौर-सबा जफर
23. रूपौली-बीमा भारती
24. धमदाहा-लेसी सिंह
25. कदवा-सूरज प्रसाद राय
26. मनिहारी (सु)-शंभू सुमन
27. बरारी-विजय सिंह निषाद
28. आलमनगर-नरें द्र नारायण यादव
29. बिहारीगंज-निरंजन कुमार मेहता
30. सिंहेश्वर (सु)-रमेश ऋषिदेव
31. मधेपुरा-निखिल मंडल
32. सोनवर्षा (सु)-रत्नेश सदा
33. महिषी-गुंजेश्वर साह
34. कुशेश्वर स्थान (सु)-शशि भूषण हजारी
35. बेनीपुर-अजय चौधरी
36. दरभंगा ग्रामीण-फराज फातमी
37. बहादुरपुर-मदन सहनी
38. गायघाट-महेश्वर प्रसाद यादव
39. मीनापुर-मनोज कुमार
40. सकरा (सु)-अशोक कुमार चौधरी
41. कांटी-जमाल
42. कोचायकोट-अमरेंद्र कुमार पांडेय
43. भोरे (सु)-सुनील कुमार
44. हथुआ-रामसेवक सिंह
45. जीरादेई-कमला कुशवाहा
46. रघुनाथपुर-राजेश्वर चौहान
47. बड़हरिया-श्याम बहादुर सिंह
48. महाराजगंज-हेम नारायण साह
49. एकमा-सीता देवी
50. मांझी-माधवी सिंह
51. मढ़ौरा-अलताफ राजू
52. परसा-चंद्रिका राय
53. वैशाली-सिद्धार्थ पटेल
54. महुआ-आश्मा परवीन

लगातार दूसरे दिन बढ़े कोरोना केस, 24 घंटे में मिले 78,524 नए मरीज

नई दिल्ली। सात दिनों तक कोरोना केसों में कमी के बाद एक बार फिर कोरोना केसों में कुछ तेजी दिख रही है। लगातार दूसरे दिन कोरोना के नए मरीजों में इजाफा हुआ है। बीते 24 घंटों में देश में 78,524 संक्रमित मरीज मिले हैं और इसके बाद इनकी कुल संख्या 68 लाख के पार चली गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, 24 घंटे में देश में कोरोना की वजह से 971 लोगों की जान चली गई और अब तक कुल 1,05,526 लोग इस वायरस की चपेट में आकर जान गंवा चुके हैं। हालांकि, एक्टिव केसों में लगातार कमी का रुख जारी है। अब देश में कुल 9 लाख 02 हजार 425 एक्टिव केस हैं। अब तक कुल 58,27,705 लोग ठीक हो चुके हैं। इससे पहले 7 अक्टूबर को देशभर में 72,049 केस सामने आए थे तो 6 अक्टूबर को 61 हजार नए मरीज मिले थे। उससे पहले लगातार सात दिनों तक कोरोना केसों में कमी देखने को मिली। इससे माना जा रहा है कि देश में कोरोना वायरस संक्रमण की पहली लहर अब शांत पड़ने लगी है। हालांकि, जिस तरह दो दिन से केस बढ़े हैं उससे उम्मीदों पर पानी फिरने का डर भी दिखने लगा है। आईसीएमार के मुताबिक, अब तक देश में 8 करोड़ 34 लाख, 65 हजार, 975 सैंपल की जांच की गई है, जबकि 7 अक्टूबर को कुल 11 लाख 94 हजार, 321 सैंपल की जांच की गई।

कोरोना से बचाव के लिए पीएम मोदी ने ट्विटर पर शुरू किया 'जन आंदोलन'

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आगामी त्योहारों, ठंड के मौसम और अर्थव्यवस्था की स्थिति के मद्देनजर बृहस्पतिवार को कोविड-19 से निपटने के लिए लोगों के समुचित व्यवहार के बारे में ट्विटर पर एक ''जन आंदोलन'' की शुरुआत की। उन्होंने सिलसिलेवार ट्वीट कर लोगों से आग्रह किया कि जब तक कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए कोई टीका नहीं बन जाता तब तक उन्हें हर सावधानी बरतनी है और तनिक भी ढिलाई नहीं करनी है। उन्होंने कहा, ''कोरोना वायरस से बचें। हाथ धोएं बार-बार। सही से मास्क पहनें। निभाएं दो गज की दूरी। जब तक दवाई नहीं, तब तक ढिलाई नहीं।''

मोदी ने कोरोना वायरस से बचाव संबंधी संदेशों के साथ तस्वीरें भी साझा कीं। इनमें वह खुद गमछा लपेटे हुए हैं और हाथे जोड़कर लोगों से बचाव का आग्रह करते दिख रहे हैं। अभियान को धार देने के लिए उन्होंने ''यूनाइट टू फाइट कोरोना'' हैशटैग का भी उपयोग किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि हम सब मिलकर कोरोना वायरस के खिलाफ सफलता हासिल करेंगे और इस लड़ाई को जीतेंगे। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के खिलाफ भारत की लड़ाई लोगों द्वारा लड़ी जा रही है जिसे कोरोना योद्धाओं से मजबूती मिली है। उन्होंने कहा, ''हमारे सामूहिक प्रयासों ने कई जिंदगियां बचाने में मदद की है। हमें इस गति को बरकरार रखना है और इस वायरस से नागरिकों की रक्षा करनी है।'' मालूम हो कि सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने बुधवार को घोषणा की थी कि प्रधानमंत्री मोदी कोविड-19 से निपटने के लिए समुचित व्यवहार के बारे में बृहस्पतिवार को ट्विटर पर ''जन आंदोलन'' अभियान शुरू करेंगे। केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने कहा था कि कोरोना से बचाव का एकमात्र हथियार मास्क पहनना, सामाजिक दूरी का पालन करना और लगातार हाथ धोना है। उन्होंने कहा कि इसी सिद्धांत का पालन करते हुए सार्वजनिक स्थानों पर इन उपायों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के अभियान को शुरू किया जाएगा। गौरतलब है कि बुधवार रात तक जारी आंकड़ों के अनुसार देश में कोरोना वायरस संक्रमितों की संख्या 68 लाख के पार चली गयी।

जब तक कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए कोई टीका नहीं बन जाता तब तक उन्हें हर सावधानी बरतनी है और तनिक भी ढिलाई नहीं करनी है। उन्होंने कहा, ''कोरोना वायरस से बचें। हाथ धोएं बार-बार। सही से मास्क पहनें। निभाएं दो गज की दूरी। जब तक दवाई नहीं, तब तक ढिलाई नहीं।'

88 साल की हुई भारतीय वायुसेना

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बृहस्पतिवार को 88वें भारतीय वायुसेना दिवस के अवसर पर बधाई देते हुए देश के ''वीर योद्धाओं'' को सलाम किया और कहा कि राष्ट्र के प्रति उनका साहस, शौर्य और समर्पण हर किसी को प्रेरित करने वाला है। गाज़ियाबाद के हिंडन एयरफोर्स स्टेशन पर आज भारतीय वायुसेना अपनी 88वीं वर्षगांठ मना रही है। भारतीय वायुसेना की स्थापना आठ अक्टूबर 1932 को की गई थी। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत गाज़ियाबाद के हिंडन एयरफोर्स स्टेशन पहुंचे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बृहस्पतिवार को 88वें भारतीय वायुसेना दिवस के अवसर पर बधाई देते हुए देश के ''वीर योद्धाओं'' को सलाम किया और कहा कि राष्ट्र के प्रति उनका साहस, शौर्य और समर्पण हर किसी को प्रेरित करने वाला है। उन्होंने कहा कि वायुसेना के जांबाज ना सिर्फ दुश्मनों से भारतीय आसमान की रक्षा करते हैं बल्कि आपदा की स्थिति में मानवता की सेवा में भी बढ़ चढ़ कर अपनी भूमिका का निर्वाह करते हैं।

दिल्ली में 24 घंटे खोले जा सकेंगे रेस्टोरेंट, परमिट राज होंगे खत्म

नई दिल्ली। दिल्ली में अब रेस्टोरेंट 24 घंटे सातों दिन खुलेंगे। रेस्टोरेंट को संचालकों को पुलिस से लाइसेंस लेने की जरूरत नहीं होगी। फायर विभाग समेत अन्य लाइसेंस के लिए पूरी प्रक्रिया को सरल बनाकर परमिट राज खत्म किया जाएगा। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को दिल्ली सचिवालय में नेशनल रेस्टोरेंट आसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) व अधिकारियों के साथ हुई एक बैठक में मिले सुझावों पर यह अहम फैसला लिया है। बताते चले दिल्ली में वैध तरीके से रेस्टोरेंट चलाने के लिए करीब 35 तरह के लाइसेंस लेना पड़ता है। मुख्यमंत्री ने एक समिति का गठन किया है जो कि 10 दिन में अपनी रिपोर्ट देगा। यह समिति परमिट राज खत्म करने और पूरी लाइसेंस प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए अपनी सिफारिश देगी। बैठक में एमसीडी से मिलने वाले हेल्थ ट्रेड लाइसेंस व पुराने रेस्टोरेंट के संरचनात्मक बदलाव को लेकर भी छूट सरकार से मांगी गई है। रेस्टोरेंट प्रतनिधियों का कहना है कि संरचनात्मक बदलाव का दबाव हुआ तो 90 फीसदी रेस्टोरेंट बंद हो जाएंगे। मुख्यमंत्री ने रेस्टोरेंट संचालकों को 31 मार्च तक एक्साइज शुल्क जमा करने की छूट दी है। यह तीन-तीन महीने पर बगैर ब्याज के जमा करने की छूट मिलेगी। इस मौके पर अरविंद केजरीवाल ने कहा कि रेस्तरां इंडस्ट्री से लाखों लोगों का रोजगार जुड़ा है। हमने इस इंडस्ट्री की राह में आने वाली अड़चन को दूर करना शुरू कर दिया है। कई साल से चले आ रहे परमिट राज को खत्म कर रेस्तरां संचालन की व्यवस्था को सबसे बेहतर बनाने की दिशा में और भी जितने कदम उठाने आवश्यक होंगे, वह दिल्ली सरकार उठाएगी।

11 बजे के बाद खोलने पर देना होगा अंडरटेकिंग-दिल्ली में रातभर रेस्टोरेंट खोलने की मंजूरी तो दे दी गई है। मगर शर्त रखा गया है कि अगर कोई रात के 11 बजे के बाद अपना रेस्टोरेंट खोलना चाहता है कि उसे अंडरटेकिंग देनी होगी

भारत में शांत हो रही है कोरोना की पहली लहर, पीक से 20 पर्सेंट की गिरावट, डबलिंग रेट में भी सुधार

नई दिल्ली। कोरोना के नए केसों की संख्या में लगातार आ रही गिरावट से माना जा रहा है कि देश में महामारी की पहली लहर अब शांत पड़ने लगी है। साप्ताहिक औसत देखें तो लगातार तीसरे सप्ताह इसमें गिरावट आई है। हालांकि, एक्सपर्ट चेतावनी दे रहे हैं कि त्योहारी मौसम में यदि लोगों ने लापरवाही बरती तो कर्व एक बार फिर ऊपर की ओर मुड़ सकता है। भारत प्रतिदिन के केसों के सात दिनों का औसत 16 सितंबर 93,617 था, जोकि अब तक का सबसे ऊंचा स्तर था। इसके बाद से कोरोना के नए केसों में लगातार गिरावट आ रही है और बुधवार को एक सप्ताह का औसत 74,623 रहा, यानी पीक से 20 पर्सेंट नीचे। इसका मतलब है कि देश में कोरोना केसों के डबल होने की रफ्तार में पिछले महीने के मुकाबले काफी सुधार हुआ है। बुधवार को डबलिंग रेट 60 दिनों की रही,

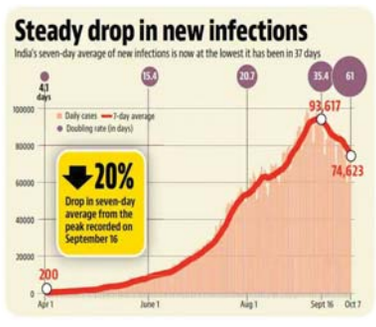

जबकि 7 सितंबर को यह दर 32.6 दिन थी। मौत के आंकड़ों में भी इसी तरह कमी आ रही है। प्रतिदिन मौतों के सात दिनों का औसत 15 सितंबर को 1,169 था, जबकि बुधवार को औसत 977 रहा, यानी पीक से 16 फीसदी नीचे। देश में कोरोना संक्रमण की शुरुआत के बाद पहली बार केसों और मौतों की संख्या में इस तरह की गिरावट आई है। दुनियाभर में कोरोना केसों और मौतों की संख्या में कई बार उतार चढ़ाव देखा गया है। उदाहरण के तौर पर अमेरिका में इस समय तीसरी लहर है, लेकिन भारत में मिड सितंबर तक कोरोना के आंकड़े लगातार ऊपर की ओर ही बढ़ते रहे। केसों और मौतों की संख्या में यह कमी मुख्य रूप से उन राज्यों की वजह से आई है, जहां अब तक संक्रमण सर्वाधिक तेजी से फैल रहा था। महाराष्ट्र, तमिल नाडु, आंध्र प्रदेश, और दिल्ली में संक्रमण में कमी आई है। इन चार राज्यों में ही देश के 46 फीसदी कोरोना केस हैं। हालांकि, केरल और कर्नाटक जैसे कुछ राज्यों में कोरोना केसों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। अशोका यूनिवर्सिटी में त्रिवेदी स्कूल ऑफ बायोसाइंस के डायरेक्टर और वायरोलॉजिस्ट डॉ. शाहीद जमील कहते हैं, केसों में गिरावट के बावजूद, हम भी पहली लहर के खात्मे के नजदीक नहीं हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

विरोध की सीमा

शाहीन बाग में करीब सौ दिन चले धरना-प्रदर्शन पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला भले कुछ देर से आया हो, लेकिन स्वागतयोग्य है। बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने साफ सुना दिया कि प्रदर्शनकारी अनिश्चितकाल के लिए किसी सार्वजनिक सड़क या जगह पर कब्जा नहीं कर सकते। कोई भी समूह या व्यक्ति प्रदर्शन के नाम पर सार्वजनिक जगह को बाधित नहीं कर सकता। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि प्रदर्शन किसी ऐसी जगह पर होना चाहिए, जहां भीड़भाड़ न हो। यह बात छिपी हुई नहीं है कि शाहीन बाग में हुए प्रदर्शन से जो नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई संभव नहीं है। उससे जो व्यापक आर्थिक, सामाजिक क्षति पहुंची है, उसका आकलन और भी मुश्किल है। नागरिकता संशोधन कानून (सीएए), एनआरसी और एनपीआर के विरोध में जब शाहीन बाग में प्रदर्शन हो रहा था, तब देश में माहौल काफी गरम था। इसके पक्ष व विपक्ष में समाज बंटा हुआ था। प्रशासन जब मजबूर हो गया था, प्रदर्शनकारियों को हटाने की कोशिशें जब नाकाम हो गई थीं, तब सुप्रीम कोर्ट ने समाधान निकालने के लिए मध्यस्थों को भेजा था। कुछ दौर की बातचीत के बावजूद प्रदर्शनकारी मध्यस्थों की बात मानने को तैयार नहीं हुए। तब सुप्रीम कोर्ट की ओर से कोशिश हुई थी कि धरना कहीं और स्थानांतरित हो जाए और शाहीन बाग की बाधित सड़क खुल जाए। सुप्रीम कोर्ट की वह कोशिश नाकाम हो गई थी, पर तब तक कोरोना का कहर टूटा और धरने को 24 मार्च को लॉकडाउन की शुरुआत में हटा दिया गया। धरना हटाने का काम प्रशासन ने किया था और सुप्रीम कोर्ट ने भी स्पष्ट कर दिया है कि प्रशासन खुद सार्वजनिक स्थानों को अवरोधों से मुक्त रखे, सिर्फ अदालत के कंधे पर बंदूक रखकर न चलाए।

इसमें कोई शक नहीं, सड़क को प्रदर्शन के लिए इस्तेमाल करने से बड़ी संख्या में लोगों को परेशानी होती है और उनके अधिकारों का हनन होता है। जहां हम भारतीयों को विरोध-प्रदर्शन का अधिकार है, वहीं हमें सड़क और सार्वजनिक जगहों के इस्तेमाल का भी अधिकार है। अव्वल तो लोगों को विरोध-प्रदर्शन से लोकतांत्रिक ढंग से रोकना-समझाना शासन-प्रशासन का काम है, वहीं होने वाले प्रदर्शन से दूसरे लोगों की रक्षा करना भी उसका दायित्व है। शासन-प्रशासन को अपने स्तर पर ही ऐसे प्रदर्शनों का सही समाधान खोजना चाहिए। गौर करने की बात है, जब सरकार धरना को कहीं और स्थानांतरित करने या खत्म करने में नाकाम रही, तब सड़क खुलवाने के लिए अदालत में याचिका दायर करने की जरूरत पड़ी। यह जरूरत नहीं पड़नी चाहिए थी। अदालत को ऐसे मामलों को सुलझाने में वक्त लगता है, क्योंकि कानूनी प्रावधान के तहत सबका पक्ष सुनने के बाद ही कोई फैसला संभव होता है।

खैर, अब सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देश के बाद सरकारों को ज्यादा सचेत रहना चाहिए। धरना-प्रदर्शन के प्रति ज्यादा संवेदनशील होने की जरूरत है। समय से पहले ही समस्या की सुनवाई करने में भलाई है। किसी विरोध के सड़क पर उतरने और समाज पर भारी पड़ने का इंतजार नहीं करना चाहिए। लोगों और संगठनों को भी अच्छी नागरिकता और परिपक्व लोकतंत्र की मिसाल पेश करनी चाहिए। जहां यह देखना जरूरी है कि धरना-प्रदर्शन करने के अधिकार का दुरुपयोग न हो, वहीं इनसे दूसरों को होने वाली परेशानी के बारे में भी सोच लेना चाहिए।

शिखर के बाद

वित्त मंत्रालय की हाल की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि कोरोना का शिखर सितम्बर में आकर जा चुका है यानी अब हालात बदतर ना होकर बेहतर ही होंगे। गौरतलब है कि इस आशय की रिपोर्ट स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से ना आकर वित्त मंत्रालय की तरफ से आई है यानी वित्त मंत्रालय को कोरोना की ज्यादा चिंता है क्योंकि कोरोना अब आतथक महामारी का रूप ले रहा है। यह अलग बात है कि हाल की रिपोर्टों के मुताबिक कारों और दुपहिया वाहनों की बिक्री में बढ़ोतरी हुई है। पर इसका मतलब यह कदापि नहीं है कि अर्थव्यवस्था अपने पुराने हाल में चली गई है या अब कोरोना से बेफिक्र हो जाना चाहिए। पीक यानी शिखर कोरोना का जा चुका है, इसका मोटा आशय है कि अब लाखों की तादाद में रोज कोरोना संक्रमित व्यक्तियों के बारे में पढ़ने को या सुनने को नहीं मिलेगा। पर हजारों या कुछ सैकड़ों लोगों को कोरोना ग्रसित करता रहेगा, यह बात मान ली जानी चाहिए। सिनेमा हॉलों को खोलने की जल्दी में यह भी नहीं भुलाया जाना चाहिए कि संक्रमण से भिड़ने के कई इंतजाम अब भी नाकाफी हैं और जीवन रक्षक ऑक्सीजन के सिलेंडरों की कालाबाजारी भी हो रही है तो कुल मिलाकर सतर्क रवैया अपनाए जाने की जरूरत है यानी तूफान आया था, तूफान की रफ्तार कम हो गई है। पर तूफान के असर बाकी हैं और अभी भी तूफान गया नहीं है। यह कोई नहीं जानता कि शिखर के बाद तलहटी की ओर कोरोना कब तक आएगा। यह दोबारा संक्रमित नहीं करेगा, यह भी पक्के तौर पर नहीं कहा जा सकता। इसकी वैक्सीन कब आएगी? इसे लेकर सिर्फ कयास हैं। कोई भी पक्के तौर पर नहीं बता पा रहा है कि इसकी वैक्सीन पक्के तौर पर कितनी असरदार साबित होगी। कुल मिलाकर कोरोना को लेकर भय का माहौल भले ही कम हो गया हो इसकी घातकता भले ही कम हो गई है पर यह कहना जल्दीबाजी है कि देश या दुनिया कोरोना से मुक्त हो गई है। इसलिए आशा का अतिवाद नहीं, बल्कि सतर्कता की समझदारी की जरूरत है। और इस संबंध में आम आदमी को समझदारी दिखाने की जरूरत है। सरकारों का न्यस्त स्वार्थ हालात को एकदम फिट दिखाने में है ताकि वे क्रेडिट ले सकें पर आम आदमी को हर समस्या से खुद ही जूझना होता है। दिल्ली में भी कोरोनाग्रस्त मरीजों के लिए चिकित्सा सुविधाएं जुटा पाना बहुत चुनौतीपूर्ण रहा है। इसलिए कोरोना का शिखर भले ही पार हो गया है, पर कोरोना को लेकर आम आदमी की जिंदगी की चुनौतियां अभी बनी हुई हैं।

विदेशा मीडिया

बासमती चावल

बासमती चावल के निर्यात के लिए यूरोपीय संघ (ईयू) से जियोग्रॉफिकल इंडिकेशन (जीआई) टैग सुरक्षित करने की भारतीय कोशिश कामयाब होती है, तो पाकिस्तान एक ऐसा बाजार हार जाएगा, जहां वह सालाना 800 मिलियन डॉलर से एक अरब डॉलर तक का मुनाफा कमाता है। भारत ने बासमती चावल के मामले में अंतरराष्ट्रीय समुदाय में खुद को अच्छी तरह से ब्रांडेड कर रखा है। भारत के खिलाफ प्रतिस्पर्द्धा करने के लिए हमें अपने प्रमुख निर्यातों में से एक का यथासंभव आक्रामक रूप से विपणन करना होगा, ताकि बासमती के मूल के एकमात्र बिंदु की धारणा जम न जाए।

जीआई एक संकेत है, जिसका उपयोग कृषि उत्पादों की उत्पत्ति के स्थान की पहचान करने और गुणवत्ता के एक निश्चित मानक को उससे जोड़ने के लिए किया जाता है। इससे निर्माताओं या उत्पादकों को उस सामान की बिक्री बढ़ाने में मदद मिलती है और उनके उत्पाद को विश्वसनीयता भी मिलती है। जैसे अगर बासमती चावल की मौजूदा बाजार हिस्सेदारी 65 बनाम 35 के अनुपात में भारत के पक्ष में है, तो ऐसे में, जीआई बासमती चावल का एकमात्र विशेष निर्यातक बनने में भारत की मदद कर सकता है। आज यदि हम सावधान नहीं हैं, तो हम बाजार में अपना हिस्सा खो देंगे। विदेशी मुद्रा की कमाई में गिरावट का अनुभव करेंगे। हालात विकट होने के बावजूद, यूरोपीय संघ के कई देश पाकिस्तान से खास तौर पर बासमती चावल खरीदते हैं। यूरोपीय देशों में निर्यात बढ़ाने की बहुत संभावना है। लेकिन यह फायदा हम तभी ले सकते हैं, जब हमारी विपणन रणनीतियां दुरुस्त हों। हमें देखना होगा कि ऐसी क्या चीजें हैं, जो हमारे उत्पाद को भारत से अलग करती हैं। यह न केवल निर्यात के लिए भारत के मूल बिंदु होने की किसी भी धारणा को दूर करेगा, बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में हमारे पदचिह्न को बढ़ाएगा। हमारा प्राथमिक उद्देश्य यह सुनिश्चित करना होना चाहिए कि हमारा उत्पाद सही निर्यातकों और सही खुदरा विक्रेताओं तक पहुंचे, ताकि हम अपनी क्षमता अधिकतम कर सकें।

अमेरिकी अखाड़े में अनेक भारतवंशी

फ्रैंक एफ इस्लाम

भारतीय मीडिया और भारतीयों की बात करने वाले अमेरिकी मीडिया के चुनावी कवरेज में अधिकांश जोर इसी बात पर है कि राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप और जो बिडेन किस तरह भारतीय मतदाताओं को अपनी तरफ लुभा रहे हैं। इस बारे में बहुत कम लिखा-बोला जा रहा है कि इस संघीय, राज्य और स्थानीय चुनावी-चक्र में दर्जन भर भारतीय अमेरिकी उम्मीदवार भी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं।

अगर जो बिडेन नवंबर में मौजूदा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को हरा देते हैं, तो कमला हैरिस सीनेट को अलविदा कह देंगी और अमेरिकी उप-राष्ट्रपति का पद संभालेंगी। मगर इसका यह अर्थ नहीं है कि अमेरिकी सीनेट में भारतीय-अमेरिकी का प्रतिनिधित्व इस जनवरी में खत्म हो जाएगा। संभावनाएं कई हैं। मसलन, भारतीय मूल की डेमोक्रेट सारा गिडिअन के पास मेन में सीनेटर सुसान कॉलिन्स को हराने का सुनहरा मौका है। गिडिअन अभी मेन हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव की अध्यक्ष हैं और रिपब्लिकन के जिन उम्मीदवारों पर हारने का खतरा अधिक है, उनमें एक कॉलिन्स भी हैं। रियलक्लीअर पॉलिटिक्स एवरेज ऑफ पोल्स में कॉलिन्स को महज 6.5 फीसदी अंक मिले हैं।

इसी तरह, रिपब्लिकन रिक मेहता भी न्यू जर्सी में सीनेटर कोरी बुकर से मुकाबिल हैं। रिक बायोटेक उद्यमी और वकील हैं। बुकर बेशक लोकप्रिय सीनेटर हैं और पूर्व में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार का दावा ठोक चुके हैं, लेकिन मेहता के पक्ष में भी मजबूत लहर है। उनकी उम्मीदवारी इस बात का संकेत है कि चुनाव प्रक्रिया में भारतवंशियों का महत्व बढ़ने लगा है।

वैसे, संभावना इस बात की भी है कि कांग्रेस (अमेरिकी संसद) में चार भारतीय-अमेरिकी फिर से चुन लिए जाएं। ये चारों हैं- एमी बेरा, रो खन्ना, प्रमिला जयपाल और राजा कृष्णमूर्ति। दो डेमोक्रेट, यानी टेक्सास में श्री कुलकर्णी और एरिजोना में हिरल टिपिरनेनी कड़े मुकाबले में हैं, और अपने-अपने राज्य से चुने जाने वाले पहले भारतीय-अमेरिकी बनने की जंग लड़ रहे हैं। पूर्व अमेरिकी राजदूत कुलकर्णीजहां टेक्सास के 22वें जिले से चुनावी मैदान में हैं, तो वहीं पेशे से डॉक्टर टिपिरनेनी एरिजोना के छठे जिले से चुनाव लड़ रही हैं। कुलकर्णी दो साल पहले रिपब्लिकन उम्मीदवार से बहुत करीबी अंतर से हार गए थे, जबकि टिपिरनेनी की कहानी भी इससे जुदा नहीं है। कुक पॉलिटिकल रिपोर्ट के मुताबिक, इन दोनों जिलों में मतदाताओं का रुझान साफ नहीं है, जिसका अर्थ है कि ये दोनों मुकाबले में हैं और यहां से किसी की भी किस्मत चमक सकती है। यदि अब भी किसी को अमेरिकी चुनावी राजनीति में भारतवंशियों के बढ़ रहे कद के सुबूत चाहिए, तो उन्हें टिपिरनेनी की दावेदारी की कहानी भी जान लेनी चाहिए। मुंबई में जन्मी इस डॉक्टर ने दावेदारी जीतने के लिए जिसे हराया, वह भी भारतीय मूल की अनीता मलिक थीं।

रही बात राज्य स्तरीय चुनावी राजनीति की, तो देश भर में आधा दर्जन से अधिक भारतवंशी फिर से चुनावी जीत हासिल करने की रेस में हैं। ये हैं- न्यूयॉर्क के सीनेटर केविन थॉमस, वाशिंगटन स्टेट की सीनेटर मनका ढींगरा, उत्तरी कैरोलिना के सीनेटर जे चौधरी, वर्मोंट सीनेटर केशा राम, वाशिंगटन स्टेट रिप्रेजेंटेटिव वंदना स्लेटर, केंटकी की रिप्रेजेंटेटिव नीमा कुलकर्णी, मिशिगन रिप्रेजेंटेटिव पद्म कुप्पा और एरिजोना रिप्रेजेंटेटिव अमिश शाह। ये सभी डेमोक्रेट्स हैं। ओहियो में रिपब्लिकन नीरज अंतानी स्टेट सीनेट की दौड़ में हैं और उनके जीतने की उम्मीद ज्यादा है। अंतानी महज 23 साल में साल 2014 में हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव के लिए चुने जा चुके हैं।

इसके अलावा, आधा दर्जन से अधिक भारतीय अमेरिकी विभिन्न स्टेट हाउस (राज्यों की सीट) में अपनी जगह बनाने के लिए चुनावी मैदान में हैं। न्यूयॉर्क स्टेट के सीनेट उम्मीदवार जेरेमी कॉनी जैसे कुछ प्रत्याशियों के पास तो पूर्व का अनुभव भी है, लेकिन कई बिल्कुल नए हैं और पहली बार उम्मीदवार बनाए गए हैं। इनमें रूपंदे मेहता (न्यू जर्सी से सीनेट उम्मीदवार), निकिल सावल (पेंसिल्वेनिया से सीनेट उम्मीदवार) और जेनिफर राजकुमार (न्यूयॉर्क स्टेट असेंबली उम्मीदवार) अत्यधिक कुशल प्रत्याशियों में गिने जा रहे हैं। भारतवंशी सिर्फ राज्य और संघीय सदन के लिए चुनावी मैदान में नहीं हैं। वे राज्य स्तरीय एजेंसी से लेकर मेयर कार्यालय और स्कूल बोर्ड तक के विभिन्न राज्य और स्थानीय एग्जिक्यूटिव कार्यालयों में भी महत्वपूर्ण जगह पाने की जद्दोजहद में हैं। जैसे, इयूक यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर और ओबामा के पूर्व आर्थिक सलाहकार रोनी चटर्जी उत्तरी कैरोलिना में कोषाध्यक्ष के लिए मैदान में हैं। ऐसे ही, वर्जीनिया में रिपब्लिकन पुनीत अहलूवालिया ने पिछले दिनों ही लेफ्टिनेंट गवर्नर के लिए अपनी उम्मीदवारी की घोषणा की है।

स्पष्ट है, पिछले दो दशकों में भारतवंशियों ने अमेरिकी राजनीति में अपने लिए अच्छा-खासा रास्ता तैयार कर लिया है। प्रत्येक चुनाव के साथ इस समुदाय का प्रतिनिधित्व बढ़ा है। प्रश्न है कि भारतीय अमेरिकियों का यूं मुखर होना कितना खास है? यह इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि किसी लोकतांत्रिक समाज में राजनीतिक प्रक्रिया में भागीदारी व प्रतिनिधित्व मायने रखता है। यह नीतियों व कार्यक्रमों के निर्माण व उनको आकार देने के लिहाज से भी महत्वपूर्ण है। इससे यह भी तय किया जा सकता है कि नीतियों को कैसे लागू किया जाना चाहिए?

भारतीय-अमेरिकी समुदाय अमेरिका में बनने वाले नए अप्रवासी समूहों में एक है। इतना ही नहीं, यह सबसे तेजी से बढ़ते समुदायों में भी एक है। लिहाजा, राजनीतिक प्रक्रियाओं में भाग लेना और अपनी आवाज बुलंद करना इस समुदाय के लिए जरूरी है। यह समझना चाहिए कि राजनेता युद्ध व शांति जैसे राष्ट्रीय स्तर के मुद्दों पर भी निर्णय लेते हैं और शिक्षा, इन्फ्रास्ट्रक्टचर के रख-रखाव और विकास के लिए संसाधन जुटाने जैसे स्थानीय स्तर के मसलों पर भी। जरूरी है कि जिस मेज पर इस बाबत चर्चा होती हो, वहां भी अपनी उपस्थिति बनाई जाए।

हालांकि, भारतवंशियों के लिए ही नहीं, अमेरिका के भविष्य के लिए भी भारतीय-अमेरिकी को नीति-निर्माण की इस मेज पर होना चाहिए। इससे अमेरिकी लोकतंत्र में मजबूती आएगी। अमेरिका को कहीं अधिक खूबसूरत संघ बनाने के लिए जरूरी है कि नस्ल, धर्म या मूल देश की परवाह किए बिना सभी को इस मेज पर जगह दी जाए।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

> भारतवंशियों के लिए ही नहीं, अमेरिका के सुंदर भविष्य के लिए भी चुनिंदा भारतीय अमेरिकियों को नीति-निर्माण की मेज पर होना चाहिए।

वायुसेना दिवस

आधुनिक विमानों की खरीद से बढ़ा मनोबल

प्रमोद भार्गव

भारत ने लद्दाख में चीन से तनातनी के चलते रूस से 33 लड़ाकू विमानों की आपात खरीद का फैसला लिया है। रूस से 12 सुखोई-30 और 21 मिग-29 विमान खरीदे जाएंगे। इन सुपर सुखोई विमानों से 600 किमी तक मार करने वाली मिसाइलें दागी जा सकती हैं। भारतीय वायुसेना को राफेल विमानों की ताकत भी मिल चुकी है। अब वायुसेना में जंगी बेड़ों की क्षमता करीब 20 प्रतिशत से अधिक हो गई है। इनमें आधुनिक तकनीक से लैस राफेल, अपाचे, सुखोई, मिग, ध्रुव और चिनूक जंगी बेड़े शामिल हुए हैं। वायुसेना ने अपनी युद्धक इकाइयों को आक्रामक बनाने के नजरिए से इसकी सरंचना में भी बदलाव किए हैं। वायुसेना के युद्ध अभियानों के लिए करीब 2000 योद्धाओं और तकनीशियनों की भर्ती की गई है। इन फाइटर स्क्वाड्रन की भर्ती से सैन्यबलों में पूर्व से तैनात अधिकारियों पर काम का दबाव भी कम होगा।

नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से ही रक्षा सौदों में गंभीर रुचि ली जा रही है। अमेरिका से 165 अरब रुपये के लड़ाकू हेलिकॉप्टर एवं अन्य रक्षा उपकरण खरीदने का बड़ा सौदा पहले ही हो चुका है। अमेरिका विमानन कंपनी बोइंग से 22 अपाचे हमलावर हेलिकॉप्टर और 15 चिनूक भारी मालवाहक हेलिकॉप्टर खरीदा जाना देश की सुरक्षा के लिए जरूरी था। फ्रांस से 36 राफेल लड़ाकू विमानों के सौदे के बाद इनका भारत आना शुरू हो गया है। एक राफेल विमान की अनुमानित कीमत करीब 58,000 करोड़ रुपए है। पिछले करीब 20 साल से देश ने लड़ाकू विमानों का कोई सौदा नहीं किया था। इस वजह से वायुसेना में लड़ाकू विमानों की लगातार कमी होती जा रही थी। हालात इतने गंभीर होते जा रहे थे कि उपलब्ध विमानों के बेड़ों की संख्या घटकर 32 के करीब पहुंच गई थी। लड़ाकू विमान व हथियारों के ये सौदे इसलिए अहम है, क्योंकि हमारे पड़ोसी दुश्मन देश चीन और पाकिस्तान में लड़ाकू विमान लगातार बढ़ रहे हैं। इन दोनों देशों की वायु-शक्ति की तुलना में हमारे पास कम से कम 756 लड़ाकू विमान होने चाहिए। सेना में विमान, हथियार और रक्षा उपकरणों की कमी की चिंता संसद की रक्षा संबंधी स्थाई संसदीय समिति और नियंत्रक एवं महानिरीक्षक की रिपोर्टें भी जताती रही हैं। संसदीय समिति ने तो यहां तक कहा था कि लड़ाकू जहाजी बेड़ों की संख्या में इतनी कमी पहले कभी नहीं देखी गई।

अपाचे का सौदा हाइब्रिड है। इस हेलिकॉप्टर में हथियार, रडार और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध उपकरण लगे हुए हैं। पिछले एक दशक के दौरान अमेरिकी कंपनियों ने तकरीबन 10 अरब डॉलर मूल्य के रक्षा सौदे भारत से किए हैं। इनमें पी-81 नौवहन टोही विमान, सी-130, जे सुपर, हरक्यूलियस और सी-17 ग्लोबमास्टर-3 जैसे विमानों की खरीद शामिल हैं। अपाचे एएच-64 लॉन्गबो हेलिकॉप्टर आधुनिक होने के साथ बहुलक्षीय युद्धक विमान है। यह हर मौसम और रात में भी युद्ध अभियानों में सक्रिय रहने की क्षमता रखता है। इसकी प्रमुख खूबी है कि यह एक मिनट से कम समय में 128 लक्ष्यों को चिन्हित कर सकता है और 16 लक्ष्यों पर निशाना साधता हुआ बच निकल सकने की विलक्षणता रखता है। दुश्मन के रडार पर इसका अक्स दिखाई नहीं देता। इसके संवेदी यंत्र आधुनिक हैं और इसकी मिसाइलें, जो दृश्य दिखाई दे रहा है, उससे भी आगे तक प्रहार करने की क्षमता रखती हैं। यह 55 सैनिक और 12,700 किलोग्राम वजन ढो सकता है। कारगिल जैसे ऊंचाई वाली चोटियों पर भी यह हेलिकॉप्टर पहुंच सकता है।

बालाकोट एयर स्ट्राइक के बाद वायुसेना ने तमिलनाडु के तेंजावुर में सुखोई-30 एमकेआई के बेड़े को तैनात किया है। इस बेड़े में सुखोई विमानों को 2.5 टन के हवा से मार करने वाली ब्रह्मोस मिसाइलों से लैस किया हुआ है। ये मिसाइलें 300 किलोमीटर की दूरी तक अचूक निशाना साधने में सक्षम हैं।

बहरहाल, लड़ाकू विमानों एवं हथियारों की आश्चर्यजनक कमी से जूझ रही वायुसेना को ये विमान एवं हथियार संजीवनी साबित हो रहे हैं, जबकि अभी विमानों की खेपें पूरी नहीं आई हैं। साथ ही एचएएल एवं डीआरडीओ जैसी संस्थाओं का आधुनीकिकरण और स्वदेशीकरण किया जाना नितांत जरूरी है। फिलहाल हमारे यहां हल्के युद्धक विमान और आधुनिकतम हल्के किस्म के हेलीकॉप्टर बनाए जा रहे हैं। टाटा कंपनी सी-130 मॉडल के विमानों के पुर्जे भारत में बनाकर दूसरे देशों में निर्यात कर रही है। जब ऐसा संभव है तो हम अपने ही देश के लिए शक्तिशाली युद्धक विमानों का निर्माण क्यों नहीं कर सकते? हालांकि, हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड द्वारा स्वदेशी तकनीक से ध्रुव नाम का हेलिकॉप्टर बनाया जा रहा है। ध्रुव हल्का बहुउद्देश्यीय हेलिकॉप्टर है। इसे थल, जल और नभ तीनों सेनाएं उपयोग में ले रही हैं। जरूरत पड़ने पर यह लड़ाकू विमान के साथ मालवाहक और एंबुलेंस के रूप में भी काम आता है। हालांकि, रक्षा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी पूंजी निवेश की मात्रा शत-प्रतिशत कर देने से ये स्वदेश निर्माण की संभावनाएं बढ़ने की उम्मीद है। यदि भविष्य में ऐसा होता है तो हमारी उत्पादन क्षमता बढ़ेगी और स्वदेशीकरण का स्वप्न साकार होने की उम्मीद बढ़ेगी।

हाथरस

समाज की उदासीनता तो जिम्मेदार नहीं!

हरीशचंद्र श्रीवास्तव

हाथरस की दुर्भाग्यपूर्ण घटना ने पुन- समाज की चिंताजनक स्थिति और संवेदनशील विषयों पर ओछी राजनीति, दोनों को उजागर किया है।

घटना में एक बेटी के प्राण चले गए किंतु जिस प्रकार से समाज को जोड़ने की जिम्मेदारी से बंधे राजनीतिक दलों ने घटना की आड़ में सामाजिक बिखराव उत्पन्न करने का प्रयास किया है, वह उनकी दोहरी मानसिकता को प्रकट करता है।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के अनुसार बलात्कार के मामलों में राजस्थान शीर्ष पर है। राजस्थान में बीते एक वर्ष में बलात्कार के मामले 81.45 प्रतिशत बढ़े हैं। उत्तर प्रदेश की जनसंख्या (लगभग 23 करोड़) की तुलना में राजस्थान की जनसंख्या तीन गुनी कम (लगभग 8 करोड़) है, किंतु उत्तर प्रदेश की तुलना में एक वर्ष में राजस्थान में बलात्कार के दो गुने प्रकरण (5997 प्रकरण) आए। जनसंख्या के आधार पर केरल बहुत छोटा राज्य है, जिसकी जनसंख्या लगभग 3.5 करोड़ है, किंतु केरल में पिछले दस वर्षों में बलात्कार के अपराध के प्रकरण 256 प्रतिशत बढ़े हैं और 2019 में इस राज्य में बलात्कार के 2023 प्रकरण सामने आए। बलात्कार के मामलों में राजस्थान नम्बर एक और केरल नम्बर दो पर है। एनसीआरबी के आंकड़े के अनुसार देश में हर 16 मिनट एक महिला बलात्कार की शिकार बनती है।

जिस देश में नारी सम्मान की परंपरा रही हो, जहां बलात्कार के लिए मृत्युदंड तक का प्रावधान हो, वहां ऐसी घटनाएं थमने के बजाय बढ़ रही हैं, तो यह समाज के लिए गंभीर चिंतन का विषय है। चूंकि राजनैतिक दलों का मुख्य उद्देश्य समाज को दिशा देना होता है तो इन घटनाओं पर सेलेक्टिव आक्रोश और सेलेक्टिव चुप्पी, दोनों ही समाज के लिए घातक होती हैं।

राजनीतिक दलों द्वारा राजस्थान, केरल, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, झारखंड, आंध्र प्रदेश व अन्य राज्यों में निरंतर सामने आ रही बलात्कार की घटनाओं पर आंखें बंद कर लेना और उत्तर प्रदेश के प्रकरण विशेष को लेकर स्वार्थी तत्वों द्वारा देश-प्रदेश में सामुदायिक वैमनस्य व हिंसा फैलाने का षडयंत्र रचने की जो स्थिति दिख रही है, वह निश्चित ही चिंताजनक है। जाति-धर्म के आधार पर घटना की व्याख्या करने से समाज के टूटने का खतरा बढ़ रहा है। समाज को विचार करना होगा कि कठोर दंड के प्रावधान के बाद भी इस तरह के अपराध समाज में क्यों बढ़ रहे हैं? इस समस्या की जड़ कहां है और इसके समाधान के उपाय क्या हैं? कहीं ऐसा तो नहीं कि राजनीतिक उद्देश्यहीनता और सामाजिक उदासीनता इस समस्या के समाधान में बाधक हों? चूंकि कानून बनने और सजा मिलने के अनेक उदाहरणों के बाद भी स्थिति सुधरने के बजाय बिगड़ती जा रही है तो समाज पर ही प्रश्न उठेगा कि वह कहां विफल हो रहा है? लगता है कि व्यक्तिगत संवेदना और सामाजिक चेतना का ह्रास घटने के बजाय बढ़ता जा रहा है। बीते कई दशकों से सिनेमा में अश्लीलता और भारतीय संस्कृति के मूल्यों को चोट पहुंचाने वाली सामग्री को षडयंत्र के अंतर्गत परोसा जा रहा है। मुक्त चिंतन, साहित्य और फिल्मों के नाम पर स्वच्छंदता, नशा, हिंसा, मानसिक विकृति, यौन उन्मुक्तता व छद्म नारीवाद एवं फूहड़ता व अराजकता फैलाने का प्रयास किया जा रहा है। इंटरनेट जैसी युक्ति आने के बाद अल्पायु में ही बच्चों के हाथ में मोबाइल व कंप्यूटर के माध्यम से अश्लीलता व व्यसन उत्पन्न करने वाली सामग्रियां बेरोकटोक पहुंच रही हैं। ऐसे में सरकार की तो जिम्मेदारी है ही कि सांस्कृतिक प्रदूषण फैलाने वाली तथा हमारे बच्चों के मन-मस्तिष्क को विकृत करने सामग्रियों व माध्यमों पर अंकुश लगाए, किंतु समाज की भी जिम्मेदारी है कि समस्या का समाधान अपने घर से ढूंढ़ना शुरू करे। समाज की इकाई परिवार होता है और परिवार की इकाई व्यक्ति। व्यक्ति, परिवार और समाज, तीनों को अलग-अलग नहीं, बल्कि समग्रता में देखकर इस भयानक सामाजिक समस्या का समाधान ढूंढ़ना होगा। अभिभावकों को चिंतन करना चाहिए कि अपने ही परिवार में उठाए गए सुधारवादी कदम से केवल समाज के दूसरे परिवार ही लाभान्वित ही नहीं होंगे, अपितु समाज सुरक्षित होगा तो उनका अपना परिवार, अपने बच्चों का भी भविष्य सुरक्षित व सुंदर बनेगा। इस सोच के साथ समाज को इस दिशा में सरकारी स्तर पर किए जा रहे प्रयासों में भागीदार बनना चाहिए जिससे कि हम बलात्कार और नारी के प्रति हिंसा जैसे जघन्य अपराधों पर अंकुश लगा सकें और आने वाली पीढ़ी के लिए वास्तविक अथरे में सभ्य समाज का निर्माण कर सकें।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रीट्स, इनविट्स अब वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये दिसंबर तक कर सकेंगे यूनिटधारकों की बैठक: सेबी

नयी दिल्ली. बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने रीट्स और इनविट्स के यूनिट धारकों के साथ वीडियो कन्फ्रेंसिंग के जरिये असाधारण बैठक करने की अनुमति 31 दिसंबर तक बढ़ा दी है। पहले यह सुविधा 30 सितंबर तक दी गयी थी। सेबी ने कोविड-19 महामारी से उपजी परिस्थितियों को देखते हुए रीट और इनविट्स के लिए इस सुविधा को तीन महीने का विस्तार दिया है। इस संबंध में उद्योग प्रतिनिधियों ने सेबी से समयसीमा बढ़ाने का अनुरोध किया था। रियल एस्टेट इंवेस्टमेंट ट्रस्ट्स (रीट्स) और इन्फ्रास्ट्रक्चर इंवेस्टमेंट ट्रस्ट्स (इन्विट्स) दोनों ही बुनियादी ढांचागत क्षेत्र में निवेश करने वाले कोष हैं। सेबी ने एक परिपत्र में कहा, ''रीट्स और इनविट्स को यूनिट धारकों की वीडियो कॉन्फ्रेंस या अन्य ऑडियो-वीडियो माध्यम से असाधारण बैठक करने की सुविधा 31 दिसंबर 2020 तक बढ़ा दी गयी है।'' सेबी ने कहा कि बैठक की रिकॉर्डिंग को इनविट्स के निवेश प्रबंधक या रीट्स के प्रबंधक द्वारा सुरक्षित रखा जाएगा। बैठक की समाप्ति के बाद दोनों को जल्द से जल्द इसके वीडियो को अपने वेबसाइट पर अपलोड भी करना होगा।

अक्टूबर के पहले सप्ताह में बिजली खपत में 13.65 प्रतिशत की वृद्धि

नयी दिल्ली, देश में औद्योगिक और वाणिज्यिक गतिविधियां बढ़ने के साथ बिजली खपत अक्टूबर के पहले सप्ताह में 13.65 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 25.95 अरब यूनिट रही। पिछले साल इसी अवधि में देश की बिजली खपत 22.83 अरब यूनिट थी। बिजली मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार पिछले साल पूरे अक्टूबर में बिजली खपत 97.84 अरब यूनिट थी। सांख्यिकी विधि एक्स्ट्रापोलेशन के आधार पर एक सप्ताह के आंकड़े के विश्लेषण से पता चलता है कि इस महीने बिजली खपत में सालाना आधार पर वृद्धि होगी। विशेषज्ञों ने कहा कि बिजली खपत में वृद्धि दिखनी शुरू हो गयी हे। लॉकडाउन पाबंदियों में ढील के साथ वाणिज्यिक और औद्योगिक मांग में वृद्धि दिख रही है। आने वाले महीनों में इसमें और सुधार होगा। सरकार ने कोविड-19 महामारी की रोकथाम के लिये 25 मार्च से देशव्यापी 'लॉकडाउन' की घोषणा की थी। आर्थिक गतिविधियां कम होने से मार्च के बाद से बिजली खपत में गिरावट दर्ज की गयी थी। कोविड-19 स्थिति के कारण मार्च से लेकर लगातार अगस्त तक बिजली खपत प्रभावित रही। आंकड़ों के अनुसार सालाना आधार पर मार्च में बिजली खपत में 8.7 प्रतिशत की गिरावट आयी। वहीं अप्रैल में 23.2 प्रतिशत, मई में 14.9 प्रतिशत, जून में 10.9 प्रतिशत, जुलाई में 3.7 प्रतिशत और अगस्त में 1.7 प्रतिशत की गिरावट आयी थी। इससे पहले, फरवरी में बिजली खपत में 11.73 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। इस साल सितंबर में छह महीने बाद बिजली खपत 5.6 प्रतिशत बढ़कर 113.54 अरब यूनिट रही जो पिछले साल इसी माह में 107.51 अरब यूनिट थी।

बढ़ती मांग के कारण रिफाइंड सोया तेल वायदा कीमतों में सुधार

नयी दिल्ली, सटोरियों द्वारा अपने सौदों के आकार को बढ़ाने के कारण वायदा कारोबार में बृहस्पतिवार को रिफाइंड सोयातेल की कीमत 4.8 रुपये के सुधार के साथ 910 रुपये प्रति 10 किग्रा हो गई। एनसीडीईएक्स में रिफाइंड सोयातेल के अक्टूबर माह में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 4.8 रुपये अथवा 0.53 प्रतिशत के सुधार के साथ 910 रुपये प्रति 10 किग्रा हो गई जिसमें 16,890 लॉट के लिए कारोबार हुआ। इसी प्रकार, रिफाइंड सोयातेल के नवंबर माह में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 5.1 रुपये अथवा 0.56 प्रतिशत के सुधार के साथ 913.8 रुपये प्रति 10 किग्रा हो गई जिसमें 34,495 लॉट के लिए कारोबार हुआ। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि व्यापारियों द्वारा अपने सौदों का आकार बढ़ाने के कारण वायदा कारोबार में रिफाइंड सोयातेल कीमतों में सुधार दर्ज हुई।

रेड टेप से रेड कारपेट की ओर बढ़ रहा भारत, कंपनियां करें यहां निवेश: गोयल

नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि अमेरिका की कंपनियां भारत को निवेश का अगला गंतव्य मानें। उन्होंने इंडिया चैंबर ऑफ कॉमर्स के द्वारा वैश्विक वित्त एवं निवेश नेतृत्व विषय पर आयोजित अमेरिकी शिखर सम्मेलन को बुधवार को संबोधित करते हुए कहा कि अगले पांच साल में दोनों देशों के द्विपक्षीय व्यापार को 500 अरब डॉलर पर पहुंचाने का लक्ष्य हासिल किये जाने योग्य है।

विदेशी कंपनियां करें यहां निवेश

उन्होंने कहा, 'हम लाल फीताशाही (रेड टेप) से लाल कालीन (रेड कारपेट) की ओर बढ़ रहे हैं। हम अतीत की जंजीरों से बाहर निकल रहे हैं और विदेशी निवेश के लिये खुले व उदार गंतव्य में तब्दील हो रहे हैं।' दोनों देशों का द्विपक्षीय व्यापार 2017 में 126 अरब डॉलर था, जो बढ़कर 2019 में 145 अरब डॉलर पर पहुंच गया। मंत्री ने अमेरिका के निवेशकों को आकर्षित करते हुए कहा कि भारत रसद (लॉजिस्टिक्स) की लागत को कम करने के लिये इस क्षेत्र में सुधार के साथ ही कई कर सुधार की दिशा में बढ़ रहा है।

भारत का कॉरपोरेट कर सबसे कम

गोयल ने कहा हमारे पास दिवालिया कानून है। भारत का कॉरपोरेट कर दुनिया में सबसे कम है। मेरा अपना मंत्रालय 'प्लग एंड प्ले' और क्लस्टर डेवलपमेंट पर काम कर रहा है। उन्होंने कहा हम एक वास्तविक सिंगल-विंडो सिस्टम पर गौर कर रहे हैं, जो कंपनियों और व्यवसायों के लिये भारत में काम करना आसान बनाता है। हम तेजी से पंजीकरण, बुनियादी ढांचे की आसान उपलब्धता का वादा करते हैं। मंत्री ने इसके अलावा बताया कि तीसरा 'भारत-अमेरिका 2 + 2 संवाद' 26 और 27 अक्टूबर को होने की उम्मीद है।

मर्सडीज-बेंज ने पेश की इलेक्ट्रिक एसयूवी, कीमत 99.3 लाख रुपये से शुरू

नयी दिल्ली, लक्जरी कार बनाने वाली जर्मनी की मर्सडीज-बेंज ने भारतीय बाजार में अपनी इलेक्ट्रिक एसयूवी कार 'ईक्यूसी' बृहस्पतिवार को पेश की। कंपनी ने इसकी पेशकश कीमत 99.30 लाख रुपये रखी है। कंपनी की 'ईक्यू' ब्रांड के तहत यह पहली पेशकश है। यह पूरी तरह से बैटरी पर चलने वाली इलेक्ट्रिक एसयूवी है। इसमें 80 किलोवाटघंटा क्षमता की लिथियम आयन बैटरी है। यह एक बार चार्ज होने के बाद 445 से 471 किलोमीटर तक जा सकती है। कंपनी का दावा है कि ईक्यूसी 20.8 से 19.7 किलोवाट घंटा प्रति 100 किलोमीटर बिजली का उपभोग करती है। इसके अगले और पिछले पहियों पर दो इलेक्ट्रिक मोटर लगी हैं। यह दोनों मिलकर 408 अश्वशक्ति का बल पैदा करती है जिससे कार 0 से 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार मात्र 5.1 सेकेंड में प्राप्त कर लेती है। अभी कंपनी ने इसे दिल्ली, मुंबई, पुणे, बेंगलुरू, हैदराबाद और चेन्नई के बाजारों में उतारा है। इसके अलावा अपनी ई-वाणिज्य वेबसाइट से भी बिक्री कर रही है। मर्सडीज-बेंज इंडिया के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी मार्टिन श्वेंक ने पीटीआई-भाषा से कहा, '' हमारे लिए ईक्यूसी को पेश करना, अपने पोर्टफोलियो की कारों का इलेक्ट्रीकरण करना है।

राजस्थान तिलम संघ का राजफैड में होगा विलय

जयपुर, राजस्थान सरकार सहकारिता के ढांचे को मजबूत करने के लिये तिलम संघ का राजफैड में विलय की प्रक्रिया शुरू करेगी। सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना ने बताया कि तिलम संघ इस समय लगभग 167 करोड़ रुपये के घाटे में है तथा उसपर लगभग 151 करोड़ रुपये की देनदारिया है। सहकारिता के ढांचे को मजबूत करने की दिशा में यह कदम उठाया जा रहा है। आंजना ने कहा कि 1991 से पहले तिलम संघ राजस्थान राज्य सहकारी विपणन संघ (राजफैड) का ही अंग था लेकिन विश्व बैंक की शर्तो के आधार पर 1991 में राजफैड से अलग कर तिलम संघ की स्थापना की गई थी तथा वर्ष 2008 से तिलम संघ के तीनों उत्पादन संयत्र (कोटा, श्रीगंगानगर व फतेहनगर) बंद है। इन संयत्रों की मशीनरी भी पुरानी हो चुकी है। सहकारिता मंत्री ने कहा कि तिलम संघ के राजफैड में विलय से राजफैड को भी फायदा होगा तथा राजफैड में अधिकारियों एवं कर्मचारियों के रिक्त पदों की भी पूर्ति हो जाएगी। उन्होंने कहा कि तिलम संघ के पास बाजार दर से लगभग 500 करोड़ की संपत्तियां है, जो राजफैड़ में तिलम संघ के विलय होने पर राजफैड के पास आ जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि तिलम संघ के राजफैड़ में विलय की प्रक्रिया को नियमानुसार किया जाए। तिलम संघ में वर्तमान में 113 कार्मिक कार्यरत है। जिनमें से 40 कार्मिक अगले वर्ष सेवानिवृत हो रहे है। तिलम संघ के विलय होने पर 89 कार्मिक राजफैड में समायोजित होंगे।

देश में 93 प्रतिशत परिवारों में है मीटर युक्त बिजली कनेक्शन: अध्ययन

नयी दिल्ली,

देश में 93 प्रतिशत घरों में मीटर के साथ बिजली का कनेक्शन है और 91 प्रतिशत परिवारों को नियमित रूप से बिल जारी किये जा रहे हैं। काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वाटर (सीईईडब्ल्यू) ने दो स्वतंत्र अध्ययन जारी कर यह बात कही है। ये अध्ययन इंडिया रेजिडेंशियल एनर्जी सर्वे (आईआरईएस) 2020 में प्राप्त जानकारी पर आधारित है। यह अध्ययन सीईईडब्ल्यू ने इनीशिएटिव फॉर सस्टेनेबल एनर्जी पॉलिसी के साथ मिलकर किया। आईआरईएस देश भर में ऊर्जा की पहुंच, खपत और ऊर्जा दक्षता के बारे में पता लगाने के लिये किया गया अपनी तरह का पहला सर्वे है। इसमें 21 राज्यों के 152 जिलों में 15,000 परिवार को शामिल किया गया। काउंसिल ने एक बयान में कहा, ''सीईईडब्ल्यू द्वारा जारी दो स्वतंत्र अध्ययनों के अनुसार कुल 93 प्रतिशत उपभोक्ताओं के घरों में मीटर के साथ बिजली पहुंची है और 91 प्रतिशत परिवार को नियमित रूप से बिल जारी किये जा रहे हैं। '' बयान के अनुसार ग्रिड के जरिये बिजली प्राप्त करने वाले 77 प्रतिशत उपभोक्ता बिजली सेवा से संतुष्ट हैं। बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, ओड़िशा, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल के ग्रमीण क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की बिजली को लेकर संतुष्टि तीन गुनी होकर 2020 में 73 प्रतिशत रही जो 2015 में 23 प्रतिशत थी। अध्ययन में घरों में ऊर्जा दक्षता का भी पता लगाया गया। इसमें पाया गया कि 88 प्रतिशत भारतीय घरों में एलईडी बल्ब का उपयोग हो रहा है। इसका एक प्रमुख कारण सरकार का उजाला (उन्नत ज्योति बाई एफोर्डेबल एलईडी फॉर ऑल) कार्यक्रम और अन्य राज्यों की इस दिशा में उठाये गये कदम हैं। बिजली मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव संजय मल्होत्रा ने कहा, ''हालांकि लोगों की बढ़ती उम्मीदों के साथ 77 प्रतिशत संतोष का स्तर बेहतर है लेकिन 23 प्रतिशत परिवार का असंतुष्ट होना भी बड़ा आंकड़ा है।'' उन्होंने कहा, ''संतोषजनक स्तर को 77 प्रतिशत से बढ़ाकर 90 प्रतिशत और उससे अधिक करने को लेकर हमारा जोर अब गुणवत्तापूर्ण, भरोसेमंद बिजली और ग्राहकों की संतुष्टि पर होने जा रहा है। हम वितरण कंपनियों की रैंकिंग को लेकर रूपरेखा तैयार करने के लिये समिति गठित करने जा रहे हैं। बिजली के मामले में ग्राहकों के संतोष की स्थिति में सुधार और वितरण कंपनियों की व्यवहार्यता और उन्हें बाजार में बने रहना महत्वपूर्ण है।'' मल्होत्रा ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की वितरण कंपनियों का नुकसान लगभग एक रुपये यूनिट है। गरीब घरों को बिजली उपलब्ध कराने के साथ वितरण कंपनियों की वित्तीय स्थिति में सुधार जरूरी है। सीईईडब्ल्यू अध्ययन के अनुसार 97 प्रतिशत भारतीय घर ग्रिड से जुड़े है। वही 0.33 प्रतिशत परिवार सौर आधारित होम सिस्टम, सौर मिनी ग्रिड और बैटरी भंडार जैसे ऑफ ग्रिड बिजली स्रोतों पर आश्रित हैं।

एयरलाइनों को जल्द ही कोविड-पूर्व की 75 प्रतिशत उड़ानों की दी जायेगी अनुमति: पुरी

नयी दिल्ली,

नागर विमानन मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि विमानन कंपनियों को शीघ्र ही कोविड-19 महामारी से पहले होने वाली कुल अनुसूचित उड़ानों के 75 प्रतिशत उड़ानों के परिचालन की अनुमति दी जा सकती है। सरकार ने दो सितंबर को कहा था कि घरेलू उड़ानों को कोविड पूर्व के 60 प्रतिशत के स्तर पर संचालित किया जा सकता है। उससे पहले नागर विमानन मंत्रालय ने 26 जून को कोविड पूर्व के अधिकतम 45 प्रतिशत के स्तर पर घरेलू उड़ानों के परिचालन की अनुमति दी थी। देश में कोरोना वायरस महामारी की रोकथाम के लिये 25 मार्च से उड़ानों पर रोक लगा दी गयी थी। दो महीने के बाद 25 मई से परिचालन पुनः शुरू करने की मंजूरी दी गयी थी। पुरी ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए बृहस्पतिवार को कहा, ''हमारी आंतरिक सोच यह है कि हम इसे एक और सप्ताह या 10 दिनों के लिये देखेंगे। यदि आंकड़े (यात्रा करने वाले यात्रियों के) अच्छे रहेंगे, तो हम कोविड पूर्व के स्तर के 75 प्रतिशत पर घरेलू उड़ानों के परिचालन को मंजूरी दे देंगे।'' देश में नियमित रूप से होने वाली अंतरराष्ट्रीय यात्री उड़ानें कोरोना वायरस महामारी के कारण 23 मार्च से निलंबित हैं।

कुछ महीनों में उपलब्ध होगा कोविड-19 का टीका, सरकार ने शुरू की शीत भंडार गृहों की पहचान

नई दिल्ली।

कोविड-19 का टीका कुछ ही महीनों में उपलब्ध होने की संभावना के बीच सरकार ने व्यापक स्तर पर शीत भंडार गृहों की पहचान करना शुरू कर दिया है। ताकि देशभर में टीके की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके। एक राष्ट्रीय विशेषज्ञ समूह दवा क्षेत्र, खाद्य प्रसंस्करण और कृषि क्षेत्र की निजी और सरकारी कंपनियों से इनके लिए बात कर रहा है। साथ ही घर पर खाना डिलिवरी करने वाली स्विगी और जोमैटो जैसी कंपनियों के भी संपर्क में है। इस पूरी कवायद का मकसद तालुका स्तर पर रेफ्रिजरेटरों, शीत गृहों इत्यादि की व्यवस्था करना है जो टीके का भंडारण और वितरण कर सकें। इस पूरी कवायद के जानकार एक सूत्र ने यह जानकारी दी। सूत्र ने कहा कि टीका वितरण की एक मसौदा योजना के अगले हफ्ते के मध्य तक जारी होने की संभावना है।

तीन विदेशी टीके भारत में उपलब्ध होंगे

आने वाले महीनों में कम से कम एक घरेलू और तीन विदेशी टीके भारत में उपलब्ध होंगे। टीका उपलब्ध कराने वाली अधिकतर कंपनियों को शीत भंडारगृहों की आपूर्ति श्रृंखला की जरूरत होगी। उन्हें ऐसे शीत भंडारगृह चाहिए जहां शून्य से नीचे तापमान जा सके और यह अधिक से अधिक शून्य से 80 डिग्री सेल्सियस नीचे तक जा सके। हालांकि, अधिकतर टीकों को दो से आठ डिग्री सेल्सियस के तापमान में रखा जाएगा।

इन शहरों में तैयार होगी आपूर्ति श्रृंखला

सूत्र ने कहा कि अधिकतर टीके तरल स्वरूप में होंगे सिवाय कुछ को छोड़कर जिन्हें जमा कर रखा जाएगा। वही अधिकतर टीके कई खुराक वाली शीशियों में उपलब्ध होंगे। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य मंत्रालय ने शीत भंडार गृहों की आपूर्ति श्रृंखला तैयार करने के प्रयास शुरू कर दिए हैं। सरकार को उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, राजस्थान, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, गुजरात, केरल, तेलंगाना और दिल्ली में इनकी क्षमता बनाने की जरूरत होगी। इसके अलावा असम, झारखंड, पंजाब और ओडिशा में भी शीत भंडार गृहों की आपूर्ति श्रृंखला तैयार करनी होगी।

रुपया नौ पैसे मजबूत होकर 73.24 प्रति डॉलर पर बंद

मुंबई: घरेलू शेयर बाजारों के सकारात्मक रहने तथा अमेरिकी मुद्रा की नरमी के कारण बृहस्पतिवार को अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया नौ पैसे मजबूत होकर 73.24 प्रति डॉलर पर बंद हुआ।कारोबार के दौरान रुपया सीमित दायरे में रहा। रुपया ने मामूली तेजी के साथ 73.29 प्रति डॉलर पर कारोबार की शुरुआत की। बाद में इसने और बढ़त हासिल की। कारोबार की समाप्ति पर यह पिछले दिवस के मुकाबले नौ पैसे मजबूत रहकर 73.24 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। बुधवार को रुपया 73.33 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। कारोबार के दौरान रुपये ने 73.22 प्रति डॉलर के दिवस के उच्चतम स्तर और 73.35 प्रति डॉलर के दिवस के निचले स्तर को छुआ। कारोबारियों ने कहा कि निवेशक रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक के नतीजों से पहले सतर्कता बरत रहे हैं। रिजर्व बैंक की नवगठित मौद्रिक नीति समिति की बैठक बुधवार को शुरू हुई। समिति शुक्रवार को बैठक के निष्कर्षों की घोषणा करने वाली है। इस बीच, छह प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मुद्राओं के बास्केट में डॉलर का सूचकांक 0.05 प्रतिशत गिरकर 93.58 पर रहा। घरेलू मोर्चे पर बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 435.66 अंक की बढ़त के साथ 40,314.61 अंक पर बंद हुआ।

बीकानेर के 2118 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में तेल गैस की खोज करेगी ओएनजीसी

जयपुर,

सार्वजनिक क्षेत्र की तेल व गैस कंपनी ओएनजीसी बीकानेर जिले के 2118.83 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में तेल और प्राकृतिक गैस की खोज करेगी।

अतिरिक्त मुख्य सचिव पेट्रोलियम डॉ. सुबोध अग्रवाल ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इसके लिए ओएनजीसी को पिछले दिनों ही तीन साल के लिए ब्लॉक आवंटित किये गये हैं। केन्द्र सरकार के पेट्रोलियम व गैस मंत्रालय की अनुशंसा पर यह लाइसेंस जारी किया गया है।

डॉ. अग्रवाल ने बताया कि ओएनजीसी इस क्षेत्र में कच्चे तेल व प्राकृतिक गैस की खोज पर चरणबद्ध तरीके से करीब 74 करोड़ रुपये का निवेश करेगी और 150 से 200 लोगों को प्रत्यक्ष व 500 से 700 लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। इसके साथ ही उत्पादन शुरू होने पर कच्चे तेल के उत्पादन पर 12.5 प्रतिशत और प्राकृतिक गैस के उत्पादन पर 10 प्रतिशत की दर से राज्य को राजस्व प्राप्ति होगी। उन्होंने बताया कि ओएनजीसी द्वारा जैसलमेर बेसिन में पहले से ही खोज व खनन कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि ओएनजीसी को जैसलमेर में आर जे-ओएनएचपी-2019/1 ब्लॉक का आवंटन किया गया है। इस क्षेत्र में ओएनजीसी द्वारा खनिज कच्चे तेल व प्राकृतिक गैस की खोज व उत्पादन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि वेदांता द्वारा इस क्षेत्र में तीन कुओं की खुदाई खोज व उत्पादन कार्य के लिए की जाएगी। डॉ. अग्रवाल ओएनजीसी के अधिकारियों के साथ प्रगति समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने ओएनजीसी के जैसलमेर क्षेत्र के कुओं में उत्पादन कार्य पुनः शुरु करने के निर्देश दिए।

ओएनजीसी के समूह महाप्रबंधक रजत बसु ने बताया कि ओएनजीसी राजस्थान में 65 साल से खोज कार्य में लगी हुई है। ओएनजीसी पांच माइनिंग लीज पर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि ओएनजीसी ने जैसलमेर क्षेत्र में 87 कुओं की खुदाई की है जिसमें से 32 कुओं में गैस है। वर्तमान में तकनीकी कारणों से उत्पादन कार्य बाधित है और करीब 45 किलोमीटर का गैस पाइपलाईन और गैस शुद्धीकरण संयत्र का कार्य चल रहा है जिसे 2021 में पूरा कर लिया जाएगा।

लॉकडाउन में बुक कराई एयर टिकट का मिलेगा रिफंड, DGCA ने जारी की गाइडलाइन

नई दिल्ली:

कोविड-19 महामारी के कारण जिन यात्रियों की उड़ानें रद्द हो गई थीं उन्हें टिकट के पैसे वापस करने के लिए नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किया है। टिकट के रिफंड को लेकर उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद नागर विमानन नियामक ने दिशा-निर्देश जारी किया है। बुधवार को जारी सकुर्लर में उसने कहा है कि यात्रियों को तीन श्रेणियों में रखा गया है। पहली श्रेणी में वे यात्री हैं जिन्होंने 25 मार्च से 24 मार्च के बीच इसी दौरान यात्रा के लिए बुकिंग कराई थी। यह वह समय है जब देश में सभी तरह की नियमित यात्री उड़ानों पर पूर्ण प्रतिबंध था। दूसरी श्रेणी में उन यात्रियों को रखा गया है जिन्होंने लॉकडाउन से पहले बुकिंग कराई थी, लेकिन उनकी उड़ान 24 मई या उससे पहले की थी। तीसरी श्रेणी में उन यात्रियों को रखा गया है जिन्होंने 25 मई या उसके बाद की यात्रा के लिए बुकिंग कराई थी। डीजीसीए ने कहा है कि पहली श्रेणी के जिन यात्रियों ने सीधे एयरलाइन से टिकट बुक कराई है उन्हें बिना कोई शुल्क काटे टिकट रद्द कराने के समय से तीन सप्ताह के भीतर पूरा पैसा वापस किया जाना चाहिये, भले ही यात्री ने अपनी तरफ से ही टिकट क्यों ने रद्द कराई हो। जिन यात्रियों ने ट्रेवल एजेंट के जरिये टिकट बुक कराई है उनके मामले में विमान सेवा कंपनियों को तुरंत पूरा पैसा ट्रेवल एजेंट को लौटाने के लिए कहा गया है जिसके बाद ट्रेवल एजेंट तत्काल यात्री को पैसा लौटायेगा।

भारत को चौथी औद्योगिक क्रांति का नेतृत्व करने में जियो से मिलेगी मदद: मुकेश अंबानी

नयी दिल्ली,

भारत के सबसे अमीर कारोबारी एवं रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत भले ही पिछली तीन औद्योगिक क्रांतियों में पीछे छूट गया हो लेकिन अब सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) के कौशल, तेज गति की इंटरनेट कनेक्टिविटी और किफायती स्मार्ट डिवाइस के दम पर भारत के पास चौथी औद्योगिक क्रांति की अगुवाई करने का मौका है। अंबानी ने कहा कि उनके समूह की दूरसंचार व डिजिटल इकाई जियो को इस तरह से डिजायन किया गया है कि उससे चौथी औद्योगिक क्रांति की अगुवाई करने में भारत को मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि पहली दो औद्योगिक क्रांतियों और उनसे आये बदलावों से भारत वंचित रह गया था। तीसरी औद्योगिक क्रांति के दौरान जब सूचना प्रौद्योगिकी महत्वपूर्ण होकर उभरा, भारत दौड़ में शामिल हुआ लेकिन पिछड़ गया। अंबानी ने टीएम फोरम के तहत वर्चुअल माध्यम से आयोजित डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन वर्ल्ड सीरीज में कहा, ''जैसे ही हम चौथी औद्योगिक क्रांति की ओर बढ़ रहे हैं, भारत के पास न सिर्फ अग्रणी देशों की कतार में आने का मौका है बल्कि वैश्विक अगुवा बनने का भी मौका है।'' उन्होंने कहा कि चौथी औद्योगिक क्रांति डिजिटल कनेक्टिविटी, क्लाउड व एज-कंप्यूटिंग, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) एवं स्मार्ट डिवाइसेज, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, ब्लॉकचेन, एआर / वीआर (ऑगमेंटेड रियलिटी / वर्चुअल लॉरिटी) और जीनोमिक्स जैसी डिजिटल प्रौद्योगिकियों से संचालित है। अंबानी ने कहा, ''इस क्रांति में भाग लेने के लिये आवश्यक तीन मूलभूत आवश्यकताएं हैं 'अल्ट्रा-हाई-स्पीड कनेक्टिविटी, सस्ते स्मार्ट डिवाइस और परिवर्तनकारी डिजिटल ऐप'। इस यात्रा को सक्षम करने के लिये जियो की कल्पना की गयी थी।' उन्होंने कहा कि जियो से पहले भारत 2जी तकनीक में अटका हुआ था। जियो ने भारत की डेटा की कमी को समाप्त करना और डिजिटल क्रांति लाना चाहा। अंबानी ने कहा, ''हमने एक विश्व-स्तरीय, ऑल-आईपी, भविष्य के अनुकूल डिजिटल नेटवर्क बनाया, जो पूरे भारत में उच्च गति और सर्वश्रेष्ठ कवरेज प्रदान करता है।''उन्होंने कहा कि जहां भारतीय टेलीकॉम इंडस्ट्री को अपना 2जी नेटवर्क बनाने में 25 साल लगे, वहीं जियो ने केवल तीन साल में अपना 4जी नेटवर्क बनाया।

ऋण गारंटी योजना के तहत 50.7 लाख एमएसएमई को 1.87 लाख करोड़ रुपये कर्ज मंजूरी

नयी दिल्ली,

वित्त मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि कोरोना वायरस महामारी से प्रभावित सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) के लिये बैंकों ने 3 लाख करोड़ रुपये की आपात ऋण सुविधा गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) के तहत 50.7 लाख कारोबारी इकाइयों को करीब 1,87,579 करोड़ रुपये कर्ज की मंजूरी दी है। इसमें से पांच अक्टूबर तक 27 लाख एमएसएमई इकाइयों को कुल 1,36,140 करोड़ रुपये आबंटित किये जा चुके हैं। यह सरकार के आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत घोषित करीब 21 लाख करोड़ रुपये के पैकेज का हिस्सा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मई में इस पैकेज की घोषणा की थी।

इसका मकसद कोविड-19 महामारी और उसकी रोकथाम के लिये लगाये गये 'लॉकडाउन' से प्रभावित विभिन्न क्षेत्रों खासकर एमएसएमई को ऋण सुविधा उपलब्ध कराना है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने ट्विटर पर लिखा है, ''पांच अक्टूबर, 2020 तक ईसीएलजीएस के तहत सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, निजी बैंकों और एनबीएफसी ने एमएसएमई और व्यक्तिगत स्तर पर 1,87,579 करोड़ रुपये रिण को मंजूरी दी है। इसमें से 1,36,140 करोड़ रुपये वितरित किये जा चुके हैं। इस योजना के तहत सभी 12 सरकारी बैंक, निजी क्षेत्र के 24 बैंक और 31 गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां कर्ज का वितरण कर रही हैं। मंत्री के अनुसार सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) में पांच अक्टूबर तक मंजूर किये गये कर्ज की राशि बढ़कर 81,648.82 करोड़ रुपये पहुंच गयी। इसमें से 68,814.43 करोड़ रुपये का वितरण किया जा चुका है। वहीं निजी क्षेत्रों के बैंकों ने 86,576 करोड़ रुपये कर्ज की मंजूरी दी है जबकि 59,740 करोड़ रुपये कर्ज दे चुके हैं। एनबीएफसी ने इस दौरान 3,032 करोड़ रुपये की मंजूरी दी जबकि 2,227 करोड़ रुपये का वितरण किया जा चुका है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ओलंपिक 2021 में विदेशी दर्शकों को देखने की उम्मीद कर रहा हूं : बाक

लुसाने (स्विटजरलैंड)। अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति (आईओसी) के अध्यक्ष थॉमस बाक ने कहा है कि समिति यह मानकर चल रही है कि 2021 के टोक्यो ओलम्पिक में अंतर्राष्ट्रीय दर्शक भी आएंगे। बाक ने आईओसी के कार्यकारी बोर्ड की बुधवार को हुई वर्चुअल बैठक के बाद कहा, हम इस आधार पर काम कर रहे हैं ताकि अंतर्राष्ट्रीय दर्शक हों क्योंकि हमें उम्मीद है कि इस महाआयोजन के लिए विदेशों से लोग जापान पहुंचेंगे।उन्होंने साथ ही कहा कि हालांकि अभी तक यह फैसला नहीं हुआ है कि स्टेडियम दर्शकों से पूरा भरा होगा, स्टेडियम की क्षमता के अनुसार दर्शक होंगे या ओलम्पिक के दौरान सामाजिक दूरियों का पालन करते हुए दर्शक होंगे।बाक ने कहा, हम यह नहीं जानते हैं कि क्या हम पूर्ण क्षमता के हिसाब से स्टेडियम को भर सकते हैं या अन्य उपायों को लागू करना होगा। हमने पिछले कुछ हफ्तों में जापान में कुछ लीगों में दर्शकों की अच्छी संख्या के साथ बहुत उत्साहजनक शुरुआआत देखी है।

French Open 2020

जोकोविच 10वीं और नडाल 13वीं बार फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे

डिजिटल डेस्क। सर्बिया के स्टार टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच और स्पेन के राफेल नडाल ने बुधवार को ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। जोकोविच ने मेंस सिंगल्स के क्वार्टर फाइनल मैच में स्पेन के पाब्लो कारेनो बुस्टा को एक सेट हारने के बाद 4-6, 6-2, 6-3, 6-4 से मात देकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। अब वर्ल्ड नंबर-1 जोकोविच का सेमीफाइनल में मुकाबला स्टेफानोस सितसिपास से होगा। सितसिपास ने क्वार्टर फाइनल में आंद्रेई रूबलेव को 7-5, 6-2, 6-3 से मात देकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। बता दें कि, जोकोविच ने 10वीं बार टूर्नामेंट के सेमीफाइल में जगह बनाई है। जोकोविच फ्रेंच ओपन का दूसरा और 18वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने से अब सिर्फ 2 कदम दूर हैं।

राफेल नडाल ने 13वीं बार टूर्नामेंट के सेमीफाइल में

वहीं वर्ल्ड नंबर-2 राफेल नडाल ने 13वीं बार टूर्नामेंट के सेमीफाइल में जगह बनाई है। नडाल ने क्वार्टर फाइनल मैच में इटली के जैनिक सिनर को 7(7)-6(4), 6-4, 6-1 से हराया। अब नडाल का सेमीफाइल में मुकाबला अर्जेंटीना के डिएगो श्वार्ट्जमैन से होगा। श्वार्ट्जमैन ने क्वार्टर फाइनल मैच में ऑस्ट्रिया के डोमिनिक थीम को 7(7)-6(1), 5-7, 6(6)-7(8), 7(7)-6(5), 6-2 से मात देकर सेमीफाइल में जगह बनाई।

नडाल के पास 20वां ग्रैंड स्लैम जीतने के मौका

नडाल ने अब तक 12 बार फ्रैंस ओपन का खिताब जीता है। वहीं ओवरऑल सबसे ज्यादा 20 ग्रैंड स्लैम जीतने वाले स्विट्जरलैंड के रोजर फेडरर से नडाल अब सिर्फ एक खिताब पीछे हैं। हालांकि, फेडरर चोट के कारण इस बार ग्रैंड स्लैम नहीं खेल रहे, ऐसे में डिफेंडिंग चैंपियन नडाल के पास उनकी बराबरी करने का मौका है।

अपनी स्किल्स को लागू करने पर ध्यान देंगे : हर्षल

शारजाह।

दिल्ली कैपिटल्स को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 13वें संस्करण में शुक्रवार को शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स का सामना करना है और इस बीच आलराउंडर हर्षल पटेल ने कहा है कि टीम का ध्यान हमेशा से अपनी रणनीतियों को लागू करने की होती है, ना कि यह देखना कि टीम का सामना किससे हैं।दिल्ली कैपिटल्स पांच में से चार जीत के साथ अंकतालिका में दूसरे नंबर पर है। हर्षल ने मैच की पूर्वसंध्या पर संवाददाता सम्मेलन में कहा, मुझे लगता है कि आईपीएल में सभी टीम प्रतिस्पर्धात्मक है और इसलिए क्रिकेट का स्तर बेमिसाल है। इसलिए जब जोस बटलर, स्टीव स्मिथ या (संजू) सैमसन जैसे खिलाड़ियों की बात आती है, तो आपको बस अपने कौशल को लागू करने पर ध्यान केंद्रित करना होगा। आप अपनी टीम बैठकों में योजना बनाते हैं और जब आप मैदान पर आते हैं तो उसे लागू करते हैं। यह पूछे जाने पर कि उनकी टीम राजस्थान के खिलाफ होने वाले मुकाबले में अपने प्रदर्शन में सुधार करना चाहेगी, हर्षल ने कहा कि वे यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि गलतियों के लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा, हम केवल इस बारे में बात कर रहे हैं कि हम कैसे बेहतर हो सकते हैं। यहां तक कि पिछले मैच में भी टीम ने शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन हमेशा यह बातचीत होती रहती है कि हम कैसे और बेहतर हो सकते हैं। तेज गेंदबाज ने कहा, जैसे जैसे टूर्नामेंट आगे बढ़ता है, वैसे-वैसे हम बेहतर होना चाहते हैं। हर कोई जो आईपीएल में हैं, उन्हें पता है कि आईपीएल का दूसरा हाफ टूर्नामेंट का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। इसलिए हम यहीं नहीं रूकना चाहते और बेहतर प्रदर्शन करने पर अपना ध्यान लगाना चाहते हैं।

आईसीसी महिला वनडे रैंकिंग : मंधाना चौथे पर खिसकी, मिताली 10वें पर कायम

दुबई। भारत की स्टार महिला बल्लेबाज स्मृति मंधाना आईसीसी की जारी ताजा महिला वनडे रैंकिंग में चौथे स्थान पर खिसक गई हैं जबकि पूर्व कप्तान मिताली राज ने अपना 10वां स्थान कायम रखा है। पहले स्थान पर आस्ट्रेलिया की कप्तान मेग लेनिंग हैं। लेनिंग ने हाल ही में न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम के साथ खेली गई तीन मैचों की वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था। आस्ट्रेलिया ने 3-0 से जीत हासिल की थी। 28 साल की लेनिंग ने सीरीज में दो मैच खेले थे और 163 रन बनाए थे। दूसरे मैच में उन्होंने नाबाद 101 रनों की पारी खेली थी। यह पांचवीं बार है कि लेनिंग ने रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर कब्जा जमाया है। इससे पहले वो अक्टूबर-2018 में पहले नंबर पर आई थीं। नवंबर-2014 में पहली बार रैंकिंग में पहले नंबर पर आई थीं और तब से वो कुल 902 दिन इस नंबर पर रही हैं। भारत की झूलन गोस्वामी गेंदबाजी में पांचवें स्थान पर कायम हैं। शीर्ष-10 में भारत की तीन और गेंदबाज हैं। पूनम यादव छठे और शिखा पांडे सातवें स्थान पर हैं। ये दोनों एक-एक स्थान आगे बढ़ी हैं जबकि दीप्ती शर्मा 10वें स्थान पर ही कायम हैं। ऑलराउंडरों की सूची में दीप्ती, शिखा ने अपना चौथा और पांचवां स्थान कायम रखा है। टीम रैंकिंग में आस्ट्रेलिया पहले, भारत दूसरे पर हैं। न्यूजीलैंड पांचवें स्थान पर है।

आईपीएल-13 : शारजाह में फिर चर्चा में रहेंगे बल्लेबाज

(एजेंसी)।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 13वें संस्करण में शुक्रवार को शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स का सामना शानदार फॉर्म में चल रही दिल्ली कैपिटल्स से होगा। दिल्ली इस सीजन बेहतरीन फॉर्म में हैं और राजस्थान के लिए उससे निपटना एक बड़ी और मुश्किल चुनौती होगी। दिल्ली हर विभाग में बेहतरीन फॉर्म में चल रही है। उसकी बल्लेबाज और गेंदबाज दोनों ही लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। दिल्ली के लिए सबसे अच्छी बात यह है कि वह इस सीजन कुछ खिलाड़ियों के लिए दम पर नहीं है। वह संयुक्त प्रदर्शन कर रही है जहां हर कोई अपना योगदान दे रहा है। बल्लेबाजी में पृथ्वी शॉ, शिखर धवन, कप्तान श्रेयस अय्यर, ऋषभ पंत, मार्कस स्टोइनिस हर मैच में अपने बल्ले से योगदान दे रहे हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के खिलाफ खेले गए पिछले मैच में स्टोइनिस ने निचले क्रम में आकर शानदार पारी खेल टीम को मजबूत स्कोर दिया था। यहीं इस टीम की ताकत है। कोई न कोई दिल्ली के लिए चमक जाता है, जिससे टीम जीत के रास्ते पर बनी रहती है। गेंदबाजी में मुख्य किरदार निश्चित तौर पर कैगिसो रबादा का रहा है और वह टीम के लिए इस सीजन में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज भी हैं। टीम को हालांकि एक बड़ा झटका लगा है। लेग स्पिनर अमित मिश्रा चोट के कारण लीग से बाहर हो गए हैं। पिछले मैच में रविचंद्रन अश्विन ने उनकी कमी पूरी नहीं होने दी थी।अश्विन और अक्षर पटेल ने अपनी फिरकी से बल्लेबाजों को बंधे रखा है और राजस्थान के कमजोर मध्य क्रम को देखते हुए एक बार फिर इन दोनों का काम अहम होगा। रबादा के साथ एनरिक नॉर्टजे ने नई गेंद बहुत अच्छे से संभाली है। इन दोनों ने अंतिम ओवरों में भी टीम के लिए अच्छा किया है।राजस्थान की स्थिति दिल्ली से उल्टी है। वो कप्तान स्टीव स्मिथ, जोस बटलर और संजू सैमसन के दम पर है और गेंदबाजी में जोफ्रा आर्चर के दम पर है। यह चलते हैं तो राजस्थान आगे रहती है। सैमसन ने सीजन की शुरुआत में प्रभावित प्रदर्शन किया था लेकिन पिछले कुछ मैचों में वो विफल रहे हैं।

सैमसन के साथ पिछले सीजनों में भी यह देखने को मिला है कि वह सीजन की शुरुआत में जमकर बरसते हैं लेकिन बाद में आते-आते फॉर्म खो देते हैं। अब देखना होगा कि सैमसन इस क्रम को इस सीजन भी जारी रखते हैं या इसे खत्म करते हैं।राजस्थान के लिए कमजोर मध्य क्रम भी समस्या है जहां उसे नए विकल्प तराशने होंगे। टीम यहां टॉम कुरैन को थोड़ा ऊपर भेज सकती है, जो बल्ले से अच्छा कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

बल्लेबाजों ने गेंदबाजों को निराश किया - धोनी

अबू धाबी। चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने कबूल किया है कि कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ सोमवार रात को खेले गए मैच में उनके बल्लेबाजों ने गेंदबाजों को निराश किया। शेख जाएद स्टेडियम में खेले गए मैच में चेन्नई कोलकाता द्वारा रखे गए 168 रनों के लक्ष्य को हासिल नहीं कर पाई और 10 रनों से हार गई। मैच के बाद धोनी ने कहा, मध्य के ओवरों में ऐसा समय था जहां उन्होंने दो या तीन अच्छे ओवर किए थे और इसके बाद हम तीन विकेट खो बैठे। यही वो समय था जब हम मैच हार गए थे। उन्होंने कहा, अगर हम उस समय अच्छी बल्लेबाजी करते तो परिणाम हमारे पक्ष में होता। सैम कुरैन ने गेंद से अच्छा किया। मुझे लगता है कि हमने गेंदबाजी अच्छी की। 160 रन थे जिनको हम पार कर सकते थे। मुझे लगता है कि हमारे बल्लेबाजों नें गेंदबाजों को निराश किया। धोनी को लगता है कि उनकी टीम आखिरी ओवरों में जरूरी समय पर बाउंड्रीज नहीं ले पाई। उन्होंने कहा, स्ट्राइक बदलना अच्छी बात है। लेकिन आखिरी में मुझे लगता है कि हम अच्छे से फिनिश नहीं कर पाए, अंत के ओवर में बाउंड्रीज नहीं आ रही थीं। इसलिए हमे अंत में ज्यादा रचनात्मक होना था।

संगीत मेरे अंदर स्वाभाविक रूप से रचा-बसा है : क्रिस गेल

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के स्टार क्रिकेटर क्रिस गेल के पास करियर को लेकर एक और विकल्प मौजूद है। वह संगीत की दुनिया में अपनी पहचान बनाने को तैयार हैं और एक रैपर के तौर पर उन्होंने जो ट्रैक बनाया है उसे यूट्यूब पर 10 लाख से ज्यादा लोग देख चुके हैं। गेल ने कहा कि संगीत उनके अंदर स्वाभाविक रूप से है। दुनिया के विस्फोटक बल्लेबाजों में से एक गेल अपने आप को एक इंटरटेनर कहलाना पसंद करते हैं। यूनिवर्स बॉस ने कहा कि संगीत वो चीज हैं जिसका वो लुत्फ लेते हैं। गेल ने आईएएनएस से कहा, मैं इसका लुत्फ लेता हूं। मैं संगीत और खेल के वातावरण में ही पला-बढ़ा हूं। यह हमारे जमैका की संस्कृति का बड़ा हिस्सा है और यह हमारे खून में है। गेल ने हाल ही में ब्रिटिश इंडियन गायक अविना शाह के साथ एक डांस ट्रैक ग्रूव तैयार किया जिसमें वो एक रैपर की भूमिका में हैं। जिसमें वो एक रैपर की भूमिका में हैं। गेल ने कहा, मैं इस प्रोजेक्ट को करने को लेकर काफी उत्साहित था और ऐसा गाना बनाना चाहता था जिसे हर कोई सुन सके। इसमें अंतर्राष्ट्रीय संगीत है जिसमे जमैका, भारत और ग्रेट ब्रिटेन का भी संगीत मौजूद है। जमैका में इसका वीडियो शूट करने के बाद वह आईपीएल-13 के लिए सीधे दुबई गए थे। गेल ने कहा कि उन्होंने लॉकडाउन के समय का उपयोग अपनी गाने की काबिलियत को निखारने में लगाया। उन्होंने कहा, मैंने लॉकडाउन के दौरान स्टायलो जी के साथ टू हॉट गाना लांच किया था और अब यह ग्रूव मेरे किसी महिला गायक के साथ पहली पेशकश है। मुझे इसे बनाने में काफी मजा आया और इसे लेकर लोगों की प्रतिक्रिया भी शानदार रही है। गेल निश्चित तौर पर संगीत को लेकर गंभीर हैं।

मैं डीडीसीए का वित्तीय लेन-देन सार्वजनिक करूंगा : रोहन जेटली

नई दिल्ली।

दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के अध्यक्ष पद के लिए नामांकन भरने वाले रोहन जेटली का इस पद पर चुना जाना तय है। रोहन ने कहा है कि अध्यक्ष बनने के बाद वह उस बात को सुनिश्चित करेंगे कि वह संघ के वित्तीय लेन-देन को वेबसाइट के माध्यम से सार्वजनिक करें।जेटली ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, डीडीसीए के वित्तीय पहलू को साफ करने की जरूरत है। इसे पारदर्शी तरीके से करना चाहिए, इसे बेहद साफ होना चाहिए। किसी तरह की शंका के बादल नहीं होने चाहिए। यह सभी सार्वजनिक होना चाहिए और डीडीसीए की वेबसाइट पर होना चाहिए। किसी तरह के सवाल नहीं पूछे जाने चाहिए। रोहन के पिता अरुण जेटली भी 14 साल तक डीडीसीए के अध्यक्ष रह चुके हैं। रोहन ने अपने पिता के पदचिन्हों पर चलने का फैसला किया और बुधवार को नामांकन भरा। उन्हें डीडीसीए के सभी समूहों से समर्थन हासिल है। अगर जरूरत पड़ी तो इस पद के लिए चुनाव 17-20 अक्टूबर के बीच होंगे।डीडीसीए अपने प्रशासन के तरीके लिए मशहूर है और बीते कुछ वर्षों में यहां कई वित्तीय गड़बड़ियां उजागर हुई हैं। हाल ही में करोड़ों रुपए कानूनी कार्रवाई पर खत्म हुए हैं। लेकिन अभी तक किसी को भी इस मामले को लेकर सजा नहीं मिली है। रोहन ने कहा, पारदर्शिता सिर्फ वित्तीय समिति में नहीं होगी, इंफ्रस्ट्रक्चर और क्लब सुविधाएं में भी यह काफी जरूरी है। मैदान को लेकर भी। हम पैसा निवेश, फंड में रखेंगे। हमें इसे जरूरत पड़ने पर उपयोग में लेंगे क्योंकि इसे ऑडिटर्स भी मंजूरी दे देंगे।

इसलिए देखते हैं कि यह कैसे काम करती है। मुझे लगता है कि कुछ फंड बीसीसीआई से भी आना है क्योंकि उसकी एजीएम नहीं हुई है। वित्तीय मुद्दों के अलावा टीम के चयन में दखल और भ्रष्टाचार भी हाल के दिनों में उजागर हुआ है। उन्होंने कहा, टीम के चयन के लिए हम पारदर्शी प्रक्रिया का पालन करेंगे। मैं इस बात को लेकर आश्वस्त हूं कि मैं एक नई किताब लिखूंगा जिसमें वित्तीय लेन-देन के अलावा इसमें टीम के चयन की भी चर्चा होगी, चयन के पैमाने क्या होंगे और खिलाड़ियों का चयन कैसे किया जाएगा, यह सभी चीजें शामिल होंगी। उन्होंने कहा, पेशेवर क्रिकेटरों से अपील की जाएगी कि वह क्रिकेट संबंधी गितिविधियां देखें और अपना सुझाव दें। मुझे भरोसा है कि कुछ अच्छे लोग मदद करेंगे।

राहुल के पास औरेंज कैप, रबादा के पास पर्पल कैप

अबू धाबी।

किंग्स इलेवन पंजाब के कप्तान लोकेश राहुल ने आईपीएल-13 में औरेंज कैप अपने पास ही रखी है और दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज कागिसो रबादा के पास पर्पल कैप है। राहुल के पांच मैचों में एक शतक और दो अर्धशतक के दम पर 302 रन हैं और वह लीग में अभी तक रन बनाने के मामले में सबसे आगे हैं। चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाज फाफ डु प्लेसिस के पास राहुल को पीछे छोड़ने का मौका था लेकिन बुधवार रात को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ खेले गए मैच में डु प्लेसिस राहुल को छोड़ने से सिर्फ चार रनों से चूक गए। डु प्लेसिस के छह मैचों में 299 रन बनाए हैं। तीसरे नंबर पर राहुल की टीम के मयंक अग्रवाल हैं जिनके 272 रन हैं। गेंदबाजों की सूची में रबादा के नाम पांच मैचों में 12 विकेट हैं। उनसे एक विकेट पीछे मुंबई इंडियंस के जसप्रीत बुमराह हैं। मुंबई के ट्रेंट बोल्ट तीसरे स्थान पर हैं। उनके नाम छह मैचों में 10 विकेट हैं। लीग में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज को औरेंज कैप दी जाती है जबकि सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज को पर्पल कैप दी जाती है।

टेनिस: कोविड-19 महामारी के बावजूद पेरिस मास्टर्स तय कार्यक्रम पर होगा

पेरिस । फ्रेंच टेनिस महासंघ (एफएफटी) ने पुष्टि की है कि पेरिस मास्टर्स 2020 का आयोजन तय कार्यक्रम के अनुसार ही किया जाएगा। इस टूर्नामेंट का आयोजन 31 अक्टूबर से आठ नवंबर तक एकोर एरेना में होगा। टूर्नामेंट के आयोजकों ने ट्विटर पर एक बयान में कहा कि कोविड-19 महामारी के बीच पेरिस में लागू मौजूदा प्रतिबंधों के कारण प्रति दिन 1,000 दर्शकों को स्टेडियम में प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। विश्व के नंबर-1 पुरुष टेनिस खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच पेरिस मास्टर्स के मौजूदा चैंपियन हैं। उन्होंने पिछले साल फाइनल में कनाडा के डेनिस शापोवालोव को हराकर खिताब जीता था। पेरिस में इस समय फ्रेंच ओपन ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट भी जारी है, जिसमें प्रत्येक दिन 5000 दर्शकों को स्टेडियम में प्रवेश करने की अनुमति दी जा रही है।फ्रेंच ओपन का आयोजन इस साल मई में होना था, लेकिन कोरोना वायरस के कारण दो सितंबर से इसकी शुरुआत हुई है और 11 नवंबर को इसका समापन होगा।

ओलंपिक संभावितों के लिए निशानेबाजी कैम्प 15 अक्टूबर से

नई दिल्ली।

ओलंपिक कोर ग्रुप निशानेबाजों के लिए दो महीने का कोचिंग कैम्प यहां राष्ट्रीय राजधानी के कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में 15 अक्टूबर से शुरू होगा और यह 14 दिसंबर तक चलेगा। भारत ने टोक्यो ओलंपिक के लिए निशानेबाजी में अब तक रिकॉर्ड 15 कोटा हासिल किया है।ओलंपिक कोटा पाने वाले सभी निशानेबाज इस कैम्प का हिस्सा होंगे और इसमें 1.43 करोड़ रुपये की लागत आएगी। कैम्प में 32 निशानेबाज (18 पुरुष और 14 महिला) शामिल होंगे। इसके अलावा इसमें आठ कोच, तीन विदेशी कोच और दो स्पोर्ट स्टाफ भी होंगे। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने एक बयान में कहा, कैम्प होना अनिवार्य है क्योंकि ओलंपिक जैसे टूर्नामेंटों की तैयारी का यह एक अभिन्न अंग है। कम्प साई एसओपी के बाद आयोजित किया जाएगा।2018 विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता और टोक्यो ओलंपिक का कोटा पाने वाली अंजु मोदगिल ने कैम्प जैसे माहौल में लौटने पर खुशी जताई है। उन्होंने कहा, यह बहुत अच्छा है कि साई और एनआरएआई ने इस कैम्प को आयोजित करने का फैसला किया है जो हमें ओलंपिक के लिए जाने के लिए सिर्फ 10 महीनों के साथ बहुत आवश्यक अभ्यास देगा। कैम्प के माहौल में नियमित शूटिंग से हमें इस बात का बेहतर अंदाजा होगा कि हम फिलहाल कहां खड़े हैं। पुरुषों के 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में विश्व के नंबर एक निशानेबाज दिव्यांशु सिंह पंवार राष्ट्रीय कोचों के साथ कैम्प में लौटने के लिए उत्सुक हैं। दिव्यांश ने कहा, मुझे लॉकडाउन के दौरान प्रशिक्षण दिया गया है, लेकिन सभी साथी निशानेबाजों के साथ एक कैम्प में प्रशिक्षण करना बेहतर होगा। राष्ट्रीय कोच हमारी प्रगति की निगरानी करेंगे। मैं इस कैम्प का इंतजार कर रहा हूं।

पडिकल, बिश्नोई ने हिम्मत दिखाई : नेहरा

दुबई। आईपीएल-13 में देवदत्त पडिकल और रवि बिश्नोई के अब तक के प्रदर्शन से भारत के पूर्व तेज गेंदबाज आशीष नेहरा काफी प्रभावित हैं। यह दोनों खिलाड़ी इस बार अपना पहला आईपीएल खेल रहे हैं। पडिकल, विराट कोहली की कप्तानी वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर से आईपीएल पदार्पण कर रहे हैं जबकि लेग स्पिनर बिश्नोई किंग्स इलेवन पंजाब के साथ खेल रहे हैं। नेहरा ने स्टार स्पोर्ट्स के शो पर कहा, बिश्नोई और पडिकल दोनों ने गजब की हिम्मत दिखाई है, जैसा मैंने कहा, मैं चाहता था कि पार्थिव पटेल ओपनिंग करें लेकिन वो अब पिक्क र में ही नहीं हैं। भविष्य को देखते हुए मैं पडिकल और बिश्नोई से काफी प्रभावित हूं।वहीं भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगर ने सनराइजर्स हैदराबाद के तेज गेंदबाज टी. नटराजन की भी तारीफ की है, जिन्होंने पांच मैचों में पांच विकेट चटकाए हैं और अपनी यॉर्कर गेंदों से काफी प्रभावित किया है। उन्होंने कहा, इस प्रारूप में यॉर्कर गेंद काफी मुश्किल गेंद है वो भी तब जब गेंद गीली हो, इसके बाद भी टी. नटराजन ने पिछले मैच में शानदार प्रदर्शन किया और हैदराबाद की डेथ ओवरों की गेंदबाजी को संभाला। बांगर ने कहा, मैं उनसे काफी प्रभावित हूं। वह अच्छी फॉर्म में हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

राष्ट्रपति कोविंद ने देशवासियों से कहा- कोविड-19 को हराने के सभी एकजुट हों

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने बृहस्पतिवार को देशवासियों से आग्रह किया कि सभी सामूहिक संकल्प और अनुशासन के बल पर कोविड-19 को हराने के लिए एकजुट हो। उन्होंने सभी से मास्क पहनने, बार-बार हाथ धोने और दो गज की दूरी बनाये रखने का भी अनुरोध किया। कोविंद ने ट्वीट किया है, ''सामूहिक संकल्प और अनुशासन के बल पर पूरा देश कोविड-19 को हराने के लिए एकजुट है। मैं देशवासियों से आग्रह करता हूं कि सभी लोग - मास्क पहनें, हाथ धोते रहें, सामाजिक दूरी का पालन करें। हम सब एकजुट होकर लड़ेंगे, और जीतेंगे!..लड़ाई के लिए एकजुट हों।

महाराष्ट्र में टीआरपी से छेड़छाड़ करने वाले गिरोह का पर्दाफाश, दो गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई पुलिस ने 'टेलीविजन रेटिंग पॉइंट' (टीआरपी) से छेड़छाड़ करने वाले एक गिरोह का बृहस्पतिवार को पर्दाफाश किया और कहा कि इस मामले के संबंध में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। टीआरपी से यह पता चलता है कि कौन सा टीवी कार्यक्रम सबसे ज्यादा देखा गया। इससे दर्शकों की पसंद और किसी चैनल की लोकप्रियता का भी पता चलता है। मुंबई पुलिस आयुक्त परम बीर सिंह ने संवाददाताओं से कहा कि एक राष्ट्रीय टीवी चैनल भी टीआरपी गिरोह में शामिल है। उन्होंने कहा कि इस चैनल द्वारा सुशांत सिंह राजपूत के मामले में मुंबई पुलिस और महाराष्ट्र सरकार की आलोचना की गई थी। टीआरपी गिरोह का पर्दाफाश करने वाली मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने दो मराठी चैनलों के मालिकों को दर्शकों की संख्या की रेटिंग से छेड़छाड़ करने के लिए गिरफ्तार किया है। पुलिस आयुक्त ने कहा कि टीआरपी गिरोह में राष्ट्रीय समाचार चैनल भी शामिल है और इसके लिए जिम्मेदार लोगों को भी गिरफ्तार किया जाएगा चाहे वह निदेशक, प्रवर्तक हो या चैनल का कोई अन्य कर्मचारी। उन्होंने कहा कि इन चैनलों के बैंक खातों की जांच भी की जा रही है और टीआरपी गिरोह के लिए जिम्मेदार लोगों को पुलिस द्वारा पूछताछ के लिए तलब किया जा रहा है।

दिल्ली हाई कोर्ट से केंद्र ने कहा- सोशल मीडिया पर फर्जी खबरों के खतरों से निपटने को बनाए गए हैं नियम

नयी दिल्ली। केन्द्र सरकार ने दिल्ली उच्च न्यायालय से कहा कि वह सोशल मीडिया मंचों पर फर्जी खबरों के खतरों से अवगत है और इससे निपटने के लिए 'इंटरमीडियरी गाइडलाइंस' के तहत नियम बनाए गए हैं। 'इंटरमीडियरी गाइडलाइंस' सोशल मीडिया मंचों को विनियमित करती हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाय) ने उच्च न्यायालय से कहा कि फेसबुक, गूगल और ट्विटर जैसे सोशल मीडिया मंचों पर किसी भी गैरकानूनी सामग्री को अदालत के आदेशानुसार या सरकारी अधिसूचना या वेबसाइटों के शिकायत निवारण अधिकारियों द्वारा उनकी नीतियों या उपयोग की शर्तों के उल्लंघन के आधार पर हटाया जा सकता है।

राजनीतिक रैली में 100 से अधिक लोगों के जमा होने के प्रतिबंध में की गई ढील: नरोत्तम मिश्रा

भोपाल। मध्यप्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने बृहस्पतिवार को कहा कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कोविड-19 के संबंध में जारी ताजा दिशा-निर्देशों में चुनाव के दौरान राजनीतिक रैलियों में 100 से अधिक लोगों के इकट्ठा होने के प्रतिबंध पर ढील दी है। मिश्रा ने यहां पत्रकारों से बात करते हुए कहा, ''केंद्रीय गृह मंत्रालय के अनुसार किसी राजनीतिक रैली में 100 से अधिक लोगों के जमा होने के प्रतिबंध में ढील की गयी है। हालांकि मास्क, सेनिटाइजर और एकदूसरे से दूरी बनाये रखने का नियम पहले की तरह जारी रहेगा।'' इस बीच, अनूपपुर में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ के काफिले पर पथराव की घटना के बारे में पूछे गये एक सवाल पर मिश्रा ने इसे सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के लिये कांग्रेस का ''प्रायोजित कार्यक्रम'' करार दिया। मालूम हो कि बुधवार को कथित तौर पर भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने कमलनाथ के काफिले को उस समय काले झंडे दिखाये थे जब वह अनूपपुर में एक चुनावी सभा को संबोधित करने जा रहे थे।

दीपावली तक दिल्ली की 3000 से अधिक संपत्तियों को किया जाएगा सीलिंग मुक्त: आदेश गुप्ता

नयी दिल्ली। भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने बृहस्पतिवार को कहा कि पार्टी शासित तीन नगर निगम दिल्ली के आवासीय इलाकों में तीन हजार से अधिक संपत्तियों को सीलिंग मुक्त करने का काम दीपावली तक पूरा करेंगे। आदेश गुप्ता ने उत्तर दिल्ली नगर निगम के महापौर जय प्रकाश के साथ आज तोडापुर इलाके में सीलिंग मुक्ति अभियान की शुरुआत की, इसमें संपत्ति मालिकों को प्रमाण-पत्र दिए गए।

भारतीय एयरलाइनों की कीमत पर विदेशी एयरलाइन की उड़ानों को नहीं दी जाएगी अनुमति : हरदीप पुरी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

नागर विमानन मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि यह जोरदार और स्पष्ट संदेश देने का वक्त आ गया है कि विदेशी एयरलाइनों की उड़ानों को भारतीय एयरलाइनों की कीमत पर अनुमति नहीं दी जाएगी। लुफ्थांसा (एयरलाइन) को 30 सितंबर से 20 अक्टूबर तक की भारत और जर्मनी के बीच अपनी उड़ानें 28 सितंबर को रद्द करनी पड़ी थी। दरअसल, नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने उनसे अनुमति वापस लेते हुए कहा था कि जर्मनी की यात्रा करना चाह रहे भारतीयों पर पाबंदियां हैं और इसका भारतीय एयरलाइनों पर काफी दुष्प्रभाव पड़ रहा है, इसके परिणामस्वरूप लुफ्थांसा के पक्ष में यातायात का असमान वितरण हो रहा है।

पुरी ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''यह मुद्दा विदेशी एयरलाइनों को अनुमति देने या नहीं देने के बारे में, नहीं है। हम चाहते हैं कि यहां विदेशी एयरलाइनें संचालित हों... लेकिन मुझे लगता है कि यह जोरदार और स्पष्ट संदेश देने का वक्त आ गया है कि यह भारतीय एयरलाइनों की कीमत पर नहीं किया जाएगा।'' मंत्री ने इस बात का जिक्र किया कि विशेष उड़ानों के परिचालन के लिये विभिन्न देशों के साथ की गई द्विपक्षीय व्यवस्था (एयर बबल) के तहत हम पूरी बराबरी पर जोर नहीं दे रहे हैं। 'एयर बबल' दो देशों के बीच एक द्विपक्षीय व्यवस्था होती है, जिसके तहत दोनों देशों की उड़ानें कुछ नियम कायदों और पाबंदियों के साथ एक-दूसरे देश के बीच अंतरराष्ट्रीय उड़ान संचालित कर सकती हैं।

डीजीसीए के ऊपर जिक्र किये गये फैसले के बाद लुफ्थांसा की उड़ानें रद्द करनी पड़ी। वहीं, एअर इंडिया को 14 अक्टूबर तक फ्रैंकफुर्ट की सारी उड़ानें रद्द करने को मजबूर होना पड़ा क्योंकि जर्मनी ने उनसे अनुमति वापस ले ली थी। कोरोना वायरस महामारी के चलते 23 मार्च से भारत में नियमित अंतरराष्ट्रीय यात्री उड़ानें निलंबित हैं। हालांकि, भारत द्वारा जर्मनी सहित करीब 16 देशों के साथ किये गये उड़ान समझौतों के तहत विशेष अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को जुलाई से अनुमति दी गई।

पुरी ने कहा, ''भारत में सभी विदेशी आर्थिक संस्थाओं के लिये अवसर है। लेकिन समान रूप से जहां वाणिज्यिक लाभ की बात है, हम अपनी एयरलाइनों के भी (उन देशों में जाने पर) वे सुविधाएं हासिल करने की आशा करते हैं।'' सितंबर में लुफ्थांसा हर हफ्ते भारत के लिये करीब 20 उड़ानें संचालित कर रहा था जबकि एअर इंडिया हर हफ्ते जर्मनी के लिये करीब तीन उड़ानें ही संचालित कर रही थी। विमानन सचिव प्रदीप सिंह खरोला ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भारत और जर्मनी, दोनों देशों के बीच उड़ानों के लिये 'एयर बबल' व्यवस्था को पुनर्स्थापित करने के तरीके पर बातचीत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मंगलवार को हमारी पहले दौर की बातचीत हुई। हम एक-दो दिनों में उनसे फिर से मिलने जा रहे हैं और जर्मनी के साथ एयर बबल व्यवस्था को अंतिम रूप दे दिया जाएगा।

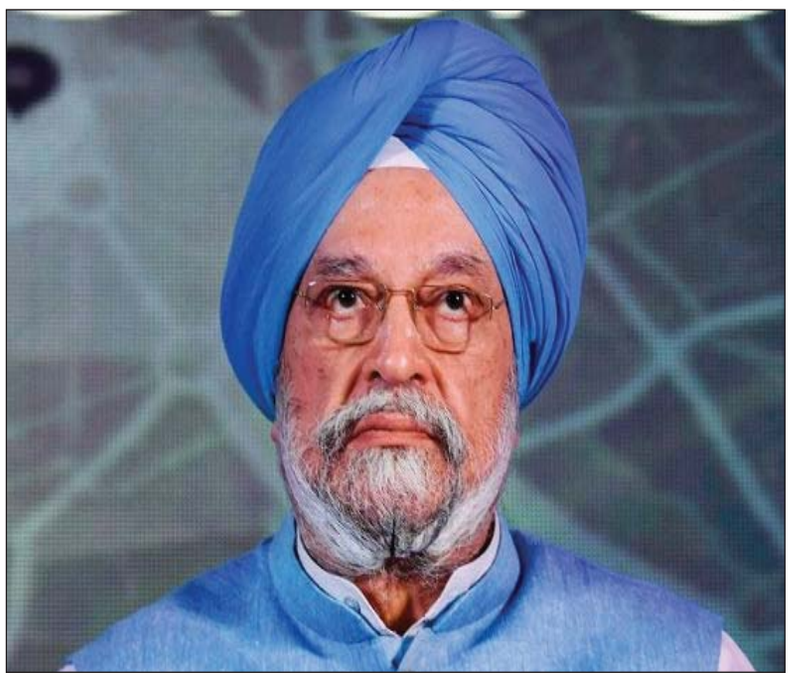

पश्चिम बंगाल में भाजपा का विरोध प्रदर्शन: वॉटर कैनन के पानी पर उठा सवाल, मुख्य सचिव ने दिया यह जवाब

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार ने बृहस्पतिवार को कहा कि भाजपा ने राज्य सचिवालय नबान्ना तक बिना अनुमति के मार्च निकाला और महामारी अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन किया। मुख्य सचिव अलपन बंदोपाध्याय ने उकसावे के बावजूद पुलिस द्वारा संयम से हालात को संभालने की प्रशंसा की। मार्च के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं पर नीले पानी की बौछार करने को लेकर किए गए सवाल पर बंदोपाध्याय ने कहा कि यह वही रंग है जिसका इस्तेमाल होली पर किया जाता है। उन्होंने कहा, ''यह अंतरराष्ट्रीय पारिपाटी है। रंगीन पानी का इस्तेमाल ऐसे प्रदर्शनों के दौरान किया जाता है ताकि भीड़ को तितर-बितर करने के बाद इसमें शामिल लोगों की पहचान की जा सके।'' मुख्य सचिव ने बताया कि प्रदर्शन के मामले में कोलकाता में 89 और हावड़ा में 24 लोगों को हिरासत में लिया गया है। उल्लेखनीय है कि बृहस्पतिवार को कोलकाता और उससे सटा हावड़ा उस समय युद्ध का मैदान बन गया जब भाजपा कार्यकर्ता पार्टी के एक नेता की हत्या के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे और उनकी पुलिस के साथ झड़प हो गई। इस दौरान पत्थरबाजी हुई और टायर जलाकर सड़कों को बंद किया गया। दंगारोधी साजो-सामान से लैस पुलिसकर्मियों ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े, लाठीचार्ज किया और पानी की बौछारें कीं। दोनों शहरों में भाजपा का यह प्रदर्शन करीब तीन घंटे तक चला।

गृहमंत्री अमित शाह ने देशवासियों से एहतियात और सुरक्षा के लिए साझा किये पीएम मोदी के तीन 'मंत्र'

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने देशवासियों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कोरोना के विरुद्ध बृहस्पतिवार को शुरु किए गए ''जन आंदोलन'' से जुड़ने की अपील करते हुए कहा कि ऐसी वैश्विक महामारी से तभी लड़ा जा सकता है जब समस्त देशवासी एक साथ आएं। उन्होंने सिलसिलेवार ट्वीट कर कहा, ''कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से तभी लड़ा जा सकता है जब समस्त देशवासी एक साथ आयें। आइए, हम सब मिलकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कोरोना के विरुद्ध चलाए जा रहे इस जन आंदोलन से जुड़ें और सभी को इस महामारी के प्रति जागरूक कर कोरोना मुक्त भारत बनाने में एक अहम भूमिका निभाएं।'' उन्होंने कहा कि मास्क पहनना, दो गज की दूरी का पालन करना और बार-बार हाथ धोना ही कोरोना से बचाव के तीन मंत्र हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के इस आह्वान को सुरक्षा मंत्र मानकर लोग न सिर्फ स्वयं को सुरक्षित रखें बल्कि अपने परिजनों, दोस्तों और सहकर्मियों को भी सुरक्षित करें। प्रधानमंत्री ने इससे पहले आगामी त्योहारों और ठंड के मौसम के मद्देनजर कोविड-19 से निपटने के लिए लोगों को जब तक दवाई नहीं, तब तक ढिलाई नहीं का मंत्र देते हुए ट्विटर पर एक ''जन आंदोलन'' की शुरुआत की। उन्होंने लोगों से कोरोना संक्रमण के खिलाफ संघर्ष में एकजुट होने की अपील करते हुए कहा कि जब तक कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए कोई टीका नहीं बन जाता तब तक उन्हें हर सावधानी बरतनी है और तनिक भी ढिलाई नहीं करनी है। उन्होंने हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में ट्वीट कर कहा, ''आइए, कोरोना से लड़ने के लिए एकजुट हों! हमेशा याद रखें- मास्क जरूर पहनें। हाथ धोते रहें। सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें।'दो गज की दूरी' रखें।'' उन्होंने कहा, ''जब तक दवाई नहीं, तब तक ढिलाई नहीं।

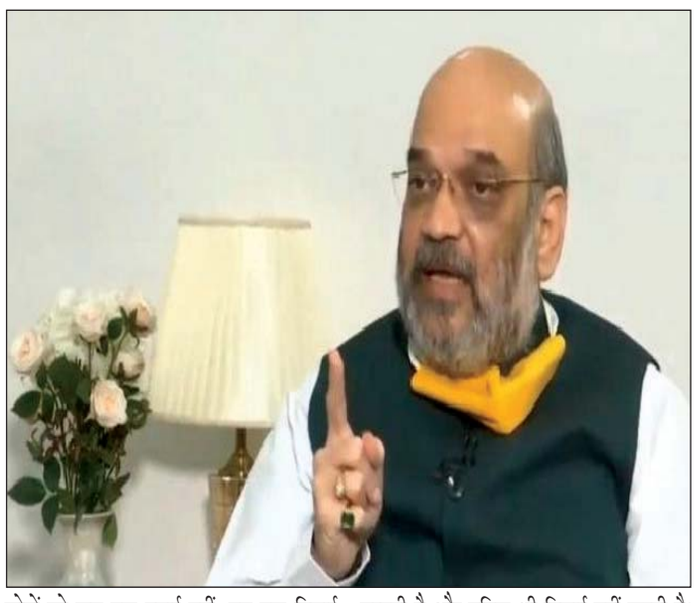

कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद बोले, बंगाल में नहीं है लोकतंत्र, जनता चाहती है बदलाव

नई दिल्ली। बीजेपी नेता और कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधा है। रविशंकर प्रसाद पार्टी द्वारा बताया गया कि अब तक 115 भाजपा कार्यकर्ता बंगाल में राजनीतिक हिंसा का शिकार हुए हैं जिसमें पुलिस द्वारा कोई प्रमाणिक कार्रवाई नहीं हुई। आज के मार्च में लगभग एक लाख लोग थे। हमारे तकरीबन 1500 कार्यकर्ता इसमें घायल हुए हैं। भाजपा इस बर्बरतापूर्ण आचरण की भर्त्सना करती है। हम बहुत ही विनम्रता से ये कहना चाहते हैं ममता जी और टीएमसी को कि अगर आपको लगता है कि लाठी से और पुलिसिया दमन से आप भाजपा के विस्तार को बंगाल में रोक लेंगी तो आप इसमें सफल नहीं होंगी।

उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में लोकतंत्र जैसी कोई चीज नहीं है। वहां की जनता भी बदलाव चाहती है. कानून मंत्री ने बंगाल में बीजेपी कार्यकर्ताओं पर पुलिस के द्वारा लाठीचार्ज करने का विरोध किया।

कुमारस्वामी बोले, बिहार चुनाव, 54 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव नहीं होने से आफत नहीं आ जाती

बेंगलुरू। (एजेंसी)।

कोविड-19 महामारी के बीच बिहार विधानसभा चुनाव और विभिन्न राज्यों में 54 विधानसभा सीटों पर हो रहे उपचुनाव पर आपत्ति जताते हुए जद (एस) के नेता एच. डी. कुमारस्वामी ने बृहस्पतिवार को कहा कि अगर इस प्रक्रिया को रोक दिया जाता तो आफत नहीं आ जाती। उन्होंने चुनाव आयोग, केंद्र और राज्य सरकारों को चेतावनी दी कि वे आम आदमी के जीवन से खिलवाड़ कर रहे हैं क्योंकि चुनावी प्रक्रिया और प्रचार के दौरान सामाजिक दूरी बनाए रखने जैसे कोविड-19 के प्रोटोकॉल का पालन करना मुश्किल है। कर्नाटक के सीरा और राजराजेश्वरी नगर विधानसभा क्षेत्र में भी तीन नवम्बर को उपचुनाव होने वाले हैं। कुमारस्वामी ने कहा, ''...मेरे विचार से अगर चुनाव आयोग, केंद्र सरकार और राज्य सरकार को आम समझ होती तो विधान परिषद् के चुनाव, 54 विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव और बिहार विधानसभा के लिए चुनाव कराना अभी जरूरी नहीं था।''

उन्होंने कहा, ''क्या आप सोचते हैं कि चुनाव आयोजित करना संभव होगा?'' पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि चुनाव के दौरान सामाजिक दूरी बनाए रखना मुश्किल होगा। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि नेता खुद की जिंदगी से भी खिलवाड़ कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सीरा विधानसभा क्षेत्र का हाल में दौरा करने के बाद उन्हें तेज बुखार आ गया था और ठीक होनेके बाद फिर से वह चुनाव प्रचार के लिए तैयार हो रहे हैं। उन्होंने कहा, ''अगर तीन महीने के लिए चुनाव टाल दिया जाता तो दुनिया खत्म नहीं हो जाती? बिहार में छह महीने के लिए राष्ट्रपति शासन लगाया जा सकता था या कार्यवाहक सरकार की व्यवस्था हो सकती थी।

लद्दाख के बाद अब चीन ने अरुणाचल के पास बढ़ाई हलचल, जासूसी के लिए सेना की वर्दी में भेज रहा नागरिक

नयी दिल्ली। लद्दाख के रेजांग ला में घुसपैठ की कोशिश में भारतीय जवानों द्वारा खदेड़े जाने के बाद अब चीन अरुणाचल प्रदेश की सीमा पर नजरें गड़ा रहा है। चीन ने अरुणाचल प्रदेश में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर आम नागरिकों की आवाजाही को बढ़ा दि?या है। ये चीनी नागरिक अरुणाचल प्रदेश में पहाड़ी दर्रो पर अपनी नजर गड़ाए हुए हैं। इन इलाकों में घूम लगा रहे चीनी आम नागरिक हैं लेकिन सेना की वर्दी पहने हुए हैं। न्यू इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक अरुणाचल में आम नागरिकों की मदद से एलएसी पर दर्रो की रेकी करने की घटनाएं काफी बढ़ गई हैं।

बताया जा रहा है कि चीनी नागरिकों को वर्दी पहनकर आने के लिए कहा गया है ताकि वे देखने में चीनी सैनिक या सीमा प्रहरी लगें। चीनी सेना इस तरह की हरकत लद्दाख में भी कर रही है। बता दें कि 2017 के बाद डोकलाम में पिछले 6 महीने से एक बार फिर से भारत और चीन की सेनाओं के बीच तनाव की स्थिति बनी है। चीन की सेना यहां भूटान की सीमा में झाम्फिरी रिज तक सड़क निर्माण कर रही है। चीन की इस गुस्ताखी ने सिलीगुड़ी कॉरिडोर के लिए खतरा पैदा कर दिया है।

हाथरस गैंगरेप की जांच सीबीआई से कराने के लिए एनजीओ ने उच्चतम न्यायालय का किया रुख

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

एक गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) ने उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर कर हाथरस में दलित लड़की के साथ हुए कथित सामूहिक दुष्कर्म के मामले की जांच सीबीआई को स्थानांतरित करने का निर्देश देने का अनुरोध किया है। एनजीओ ने हाथरस मामले को लेकर लंबित याचिका में हस्तक्षेप करने और शीर्ष अदालत की सहायता करने का अनुरोध करते हुए कहा कि उसे वैसे पीड़ितों के साथ काम करने का अनुभव है, जिन्हें ताकतवर राज्य द्वारा उन्हें डराया और धमकाया गया। सिटीजन फॉर जस्टिस ऐंड पीस नाम की संस्था ने अपने आवेदन में गवाहों की सुरक्षा, मृतक के अधिकार, नार्को जांच की स्वीकार्यता, लोक प्राधिकारियों के बयान, मौत से पहले दिए बयान और दुष्कर्म के मामलों में फॉरेंसिक एवं अन्य चिकित्सा सबूतों की प्रासंगिकता जैसे पहलुओं को उठाया है। इसमें कहा गया, ''आवेदनकर्ता इसमें मुख्य रूप से इसमें हस्तक्षेप कर रहा है कि क्योंकि मीडिया में ऐसी कई खबरें हैं जो बताती हैं कि वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और जनप्रतिनिधि इस नृशंस अपराध को कमतर करने की कोशिश कर रहे हैं और वास्तव में मामले में पूर्वाग्रह बना रहे हैं।'' उत्तर प्रदेश सरकार ने भी इस हफ्ते शीर्ष अदालत में अपना हलफनामा दाखिल करके मामले की जांच सीबीआई से कराने का आदेश देने का अनुरोध किया है। सरकार ने कहा कि इस मामले में एक निर्दोष जिंदगी चली गई और उच्चतम न्यायालय अपनी निगरानी में केंद्रीय एजेंसी को जांच करने का आदेश दे सकता है।

उल्लेखनीय है कि 19 वर्षीय दलित युवती से 14 सितंबर को अगड़ी जाति के चार पुरुषों ने कथित रूप से सामूहिक दुष्कर्म किया था। पीड़िता की 29 सितंबर को दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई थी। पीड़िता के शव का उसके घर के पास 30 सितंबर को अंतिम संस्कार किया गया। उसके परिवार का आरोप है कि स्थानीय पुलिस ने जल्दबाजी में अंतिम संस्कार कराया। हालांकि, स्थानीय पुलिस का दावा है कि परिवार की इच्छा के अनुरूप अंतिम संस्कार किया गया। एनजीओ ने अपनी याचिका में आरोप लगाया कि एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी से जुड़ी खबर है, जिसमें उन्होंने पीड़िता से बलात्कार नहीं होने का दावा किया था। याचिका में कहा गया, ''यह चिंताजनक है कि इस स्तर का अधिकारी सार्वजनिक रूप से ऐसा बयान दे रहा है, जबकि मामले की जांच जारी है और मुकदमे की सुनवाई पूरी होने के बाद अंतिम नतीजे आएंगे।'' याचिका में कहा गया, ''आवेदक इन परिस्थितियों की वजह से हस्तक्षेप कर रहा है क्योंकि उसे ऐसे पीड़ितों के साथ के काम करने का अनुभव है, जिन्हें पूर्व में ताकतवर राज्य द्वारा डराया और धमकाया गया है।''

इस बार अपने राजनीतिक सफर का सबसे मुश्किल चुनाव लड़ रहे हैं नीतीश कुमार

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

बिहार में चुनावी सरगर्मियां अपने चरम पर है लेकिन सबको इस बात की उत्सुकता है कि क्या नीतीश कुमार अपनी सत्ता बचाए पाएंगे या नहीं? नीतीश कुमार 2020 के विधानसभा चुनाव में एनडीए की तरफ से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार हैं। इस बार अगर वह चुनाव जीत जाते हैं तो बिहार में वह सातवीं बार मुख्यमंत्री बनेंगे। बीच के छह-सात महीनों को छोड़ दिया जाए तो नीतीश कुमार 2005 से लगातार बिहार के मुख्यमंत्री रहे हैं। लेकिन इस बार का चुनाव उनके सबसे मुश्किल चुनाव में से एक कहा जा सकता है। 15 वर्षों के सरकार विरोधी लहर और गठबंधन में बनते बिगड़ते रिश्तो को लेकर उनकी छवि भी पर थोड़ा असर तो जरूर पड़ा है। हालांकि अब भी नीतीश कुमार को 2020 विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री का सबसे मजबूत दावेदार माना जा रहा है।

1 मार्च 1951 को बिहार के बख्तियारपुर में जन्मे नीतीश कुमार वर्तमान में बिहार के सबसे लोकप्रिय नेताओं में से एक है। उनके पिता का नाम कविराज राम लखन सिंह था जो कि एक आयुर्वेदिक वैद्य थे जबकि माता जी का नाम परमेश्वरी देवी था। नीतीश कुमार ने बख्तियारपुर के श्री गणेश हाई स्कूल से अपनी 12वीं तक की शिक्षा पूरी की। इसके बाद उन्होंने बिहार कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग में दाखिला ले लिया। यहां से उन्होंने सन् 1972 में मैकेनिकल इंजीनियरिंग की डिग्री प्राप्त की। राजनीति में आने से पहले नीतीश कुमार बिहार राज्य बिजली बोर्ड में काम किया करते थे। बाद में राजनीति से जुड़ने के लिए उन्होंने नौकरी का त्याग कर दिया। जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में छात्र आंदोलन में हिस्सा लिया और जेल भी गए।

1985 में उन्होंने पहली बार विधायकी का चुनाव लड़ा और जीता भी। 1989 में इन्हें जनता दल पार्टी का महासचिव बनाया गया और इसी साल उन्होंने लोकसभा का चुनाव भी जीता। बाद में इन्हें वीपी सिंह की सरकार में केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री बनाया गया। 1991 में यह लगातार दूसरी बार लोकसभा का चुनाव जीत कर संसद पहुंचे। संसद में इन्हें जनता दल की ओर से पार्टी का उपनेता बनाया गया। 1996 में नीतीश कुमार 11वीं बार लोकसभा के सदस्य चुने गए। 1998 के चुनाव में नीतीश कुमार नालंदा से लगातार चुनाव जीतकर संसद पहुंचे। इस बार उन्हें अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में रेल मंत्री बनाया गया। बाद में कृषि मंत्रालय का मंत्री बनाया गया और उसके बाद रेल मंत्री एक बार फिर से उन्हें बना दिया गया।

राजनीतिक उठापटक के बीच पहली बार सन 2000 में उन्हें बिहार का मुख्यमंत्री बनने का गौरव प्राप्त हुआ लेकिन इन्हें 7 दिन में ही यह पद छोड़ना पड़ा। 2005 में हुए बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए विजयी रही और नीतीश कुमार दोबारा बिहार के मुख्यमंत्री बने।

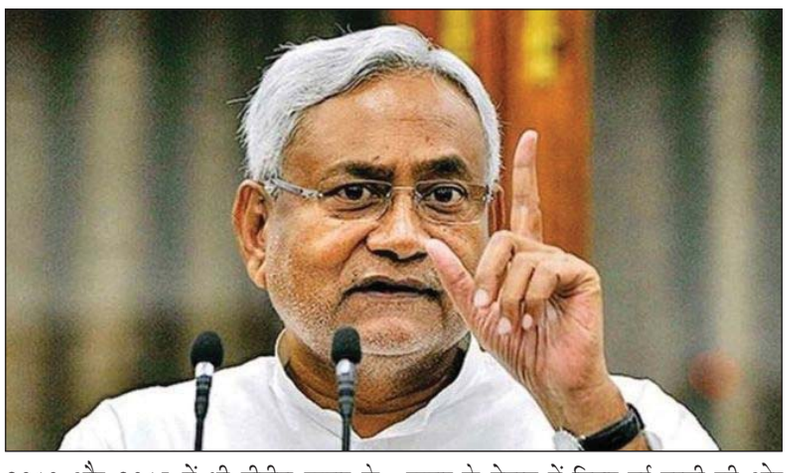

2010 और 2015 में भी नीतीश कुमार के नेतृत्व में गठबंधन जीतता रहा और नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बने। बिहार में नीतीश कुमार की छवि सुशासन बाबू के रूप में जानी जाती है। राजनीतिक विशेषज्ञों का दावा है कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार नई तरक्की की ओर बढ़ा हालांकि अब भी बिहार विकास के मामले में बहुत पिछड़ा राज्य हैं। ऐसे में नीतीश कुमार से अभी भी लोगों को काफी उम्मीदें हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त खबर

अमेरिकी चुनावों के बाद राजनीतिक विज्ञापनों पर प्रतिबंध लगाएगा फेसबुक

नई दिल्ली। अमेरिका में चुनाव है और पूरी दुनिया की नजर वहां टिकी हुई है। कई देशों में ऐसा पहले देखा जा चुका है कि सोशल मीडिया का चुनावों में अहम हिस्सा रहा है। इसी बीच फेसबुक ने बुधवार को कहा कि वह भ्रम या दुरुपयोग की संभावना को कम करने के लिए 3 नवंबर को अमेरिकी चुनावों के बंद होने के बाद राजनीतिक या सामाजिक मुद्दे वाले विज्ञापन चलाना बंद कर देगा।

ऑस्ट्रेलिया के एक घर में मिली 8 आंखों और नीले चेहरे वाली मकड़ी, महिला ने पकड़कर...

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया की रहने वाली एक महिला ने अपने घर के बैकयार्ड में मकड़ी की नई प्रजाति की खोज की है। डेली मेल के अनुसार, अमांडा डी जॉर्ज ने 18 महीने पहले आठ आंखों वाली मकड़ी देखी थी, लेकिन हाल में फिर से उसे दिखाई दी। महिला ने मकड़ी को पकड़कर उसकी पहचान के लिए विशेषज्ञ के पास भेज दिया है। न्यू साउथ वेल्स के थिरोउल की रहने वाली डी जॉर्ज एक प्रकृति प्रेमी महिला हैं। उन्हें इस बात का बिल्कुल अंदाजा नहीं था कि उन्हें डेढ़ साल पहले जो मकड़ी मिली है, वह एक नई प्रजाति है। नीले चेहरे वाली मकड़ी की आठ आंखें हैं। महिला ने उसे पकड़ा और फिर कुछ तस्वीरों को क्लिक करके उन्हें फेसबुक ग्रुप 'बैकयार्ड जूलॉजी' पर अपलोड कर दिया। उन्होंने मकड़ी की तस्वीरों को शेयर करते हुए लिखा, ''मैं एक अच्छे इंसान की तरह रिसाइकलिंग कर रही थी, जब मुझे बेहद खूबसूरत मकड़ी दिखाई दी। जॉर्ज ने पोस्ट में मकड़ी की नीली रंग की आंखों के बारे में भी जिक्र किया। एबीसी न्यूज के अनुसार, फेसबुक पर पोस्ट डलने के बाद मकड़ी पर अध्ययन करने वाले एक्सपर्ट जोसेफ स्कूबर्ट का ध्यान उसपर गया। उन्होंने जॉर्ज से मकड़ी को पकड़ने के लिए कहा। महीनों की मेहनत के बाद आखिरकार जॉर्ज मकड़ी को ढूंढने और पकड़ने में सफल रहीं। दो हफ्ते पहले, उन्होंने मकड़ी को पकड़ लिया। डी जॉर्ज ने आठ आंखों वाली मकड़ी को पकड़कर एक खाली कंटेनर में बंद कर लिया।

कमला हैरिस ने कोरोना को लेकर ट्रंप प्रशासन को घेरा

माइक पेंस का काउंटर अटैक

वाशिंगटन। अमेरिका में 3 नवंबर को राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होना है, इससे पहले वोटरों को लुभाने के लिए जोर आजमाइश हो रही है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेटिक उम्मीदवार जो बाइडेन के बीच पहली बहस के बाद अब उपराष्ट्रपति पद के लिए माइक पेंस और कमला हैरिस के बीच बहस के लिए मंच तैयार है।

अमेरिका में उपराष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस ने कोविड-19 से निपटने के अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन के तरीके को देश के 'इतिहास में किसी प्रशासन की सबसे बड़ी असफलता' करार दिया है। हैरिस ने उपराष्ट्रपति पद की बहस के दौरान अपने रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी माइक पेंस पर तीखा हमला किया।

कैलिफोर्निया से सीनेटर हैरिस (55) ने कोविड-19 वैश्विक महामारी का जिक्र करते हुए कहा कि इस प्रशासन की अयोग्यता के कारण अमेरिका के लोगों को बहुत बलिदान करना पड़ा है। अमेरिका में इस संक्रमण के कारण दो लाख से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। हैरिस ने बुधवार रात को बहस की शुरुआत में कहा, 'अमेरिकी लोगों ने हमारे देश के इतिहास में किसी भी राष्ट्रपति प्रशासन की अब तक की सबसे बड़ी असफलता देखी है।' उन्होंने कहा कि लोगों को वह जानकारी दिए जाने की आवश्यकता है, जो ''वे सुनना नहीं चाहते, लेकिन अपनी सुरक्षा के लिए उन्हें यह सुनना होगा। हैरिस ने कहा, ''प्रशासन की अयोग्यता के कारण उन्हें बहुत कुछ बलिदान करना पड़ा। वहीं उप राष्ट्रपति माइक पेंस (61) ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प के कदमों ने सैकड़ों-हजारों अमेरिकियों की जान बचाई। हैरिस ने

संकट से निपटने की अपनी योजना के बारे में कहा कि राष्ट्रपति पद के चुनाव में जो बाइडेन की जीत होने पर उनका प्रशासन ''संक्रमित लोगों के संपर्क में आए लोगों का पता लगाएगा, जांच करेगा, टीकाकरण करेगा और उसकी निःशुल्क उपलब्धता सुनिश्चित करेगा। उन्होंने कहा कि यदि ट्रंप प्रशासन में कोरोना वायरस का ऐसा टीका उपलब्ध हो जाता है, जिसे वैज्ञानिक सलाहकार स्वीकार नहीं करते हैं, तो वह उस टीके को स्वीकार नहीं करेंगी, लेकिन यदि डॉ. एंथनी फॉकी जैसे शीर्ष वैज्ञानिक सलाहकार टीके का समर्थन करते हैं, तो वह टीके का समर्थन करेंगी। इस बीच, कोरोना वायरस से संक्रमित होने के कारण व्हाइट हाउस में पृथक-वास में रह रहे ट्रंप ने बहस में पेंस के प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए ट्वीट किया, ''माइक पेंस अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। वह (हैरिस) चूक करने वाली मशीन हैं।

-डेमोक्रेटिक उपराष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस ने कोरोना वायरस से निपटने को लेकर ट्रंप प्रशासन पर जमकर हमला बोला।

कमला हैरिस ने कहा कि राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति को इस कोरोना महामारी की प्रकृति के बारे में सूचित किया गया था कि घातक और हवा से फैलने वाला है ... मगर आज भी कोरना के खिलाफ उनके पास कोई ठोस योजना नहीं है। मगर जो बाइडेन के पास है।

-उपराष्ट्रपति की बहस के दौरान अमेरिकी उपराष्ट्रपति माइक पेंस ने कहा कि कोरोना के लिए आप ट्रंप को जिम्मेदार क्यों ठहरा रही हैं। उन्होंने हजारों लोगों की जान बचाई है। बता दें कि अमेरिका के इतिहास में ऐसा पहली बार हो रहा है, जब उप राष्ट्रपति पद की दावेदारी पेश करते हुए भारतीय मूल की महिला इस बहस के लिए मंच पर हैं। अब तक भारतीय मूल का कोई व्यक्ति यहां तक नहीं पहुंच पाया था।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाषणों में आक्रामक रुख रखने वालीं 55 वर्षीय हैरिस आसानी से उपराष्ट्रपति पद के लिए होने वाली बहस में 61 वर्षीय पेंस पर बढ़त बना लेंगी और इससे डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद के दावेदार जो बाइडेन को ट्रंप पर बढ़त हासिल करने में मदद मिलेगी।

पेंस और हैरिस दोनों ने कहा है कि वे बहस के लिए तैयार हैं।

इस बहस की संचालक (मॉडरेटर) सुजान पेज होंगी। वह यूएसए टुडे में वाशिंगटन ब्यूरो की प्रमुख हैं। बता दें कि 29 सितंबर को डोनाल्ड ट्रंप और जो बाइडेन के बीच भी बहस हुई थी। अब उन दोनों के बीच अगली बहस 15 अक्टूबर को निर्धारित है।

पाकिस्तानी नौसेना अपने बेड़े में 50 से अधिक पोत शामिल करेगी: नौसेना प्रमुख

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तानी नौसेना अपनी शक्ति बढ़ाने के लिए एक महत्वाकांक्षी योजना के तहत 20 बड़े जहाज सहित 50 से अधिक पोत अपने बेड़े में शामिल करेगी। पाक नौसेना के निवर्तमान प्रमुख ने बुधवार को यह कहा। एडमिरल जफर महमूद अब्बासी ने अपने विदाई भाषण में कहा कि नौसेना अगले कुछ वर्षों में चार चीनी जहाजों और इतनी ही संख्या में तुर्की निर्मित मध्य श्रेणी के जहाज 2023 और 2025 के बीच शामिल करेगी। उन्होंने कहा कि चीन के सहयोग से हैंगोर पनडुब्बी परियोजना पर योजना के मुताबिक काम आगे बढ़ रहा है और पाकिस्तान तथा चीन में चार-चार पनडुब्बी बन रही है। सरकारी रेडियो पाकिस्तान ने अब्बासी के हवाले से कहा, ''यह परियोजना हमें पनडुब्बी संचालित करने वाली नौसेना से पनडुब्बी बनाने वाली नौसेना में तब्दील कर देगी।'' रेडियो ने उनके हवाले से कहा कि 20 बड़े जहाजों सहित 50 से अधिक पोत वाला बेड़ा नौसेना की क्षमता को मजबूत बनाएगा। अब्बासी ने पाक नौसेना की कमान औपचारिक रूप से नये नौसेना प्रमुख एडमिरल अमजद खान नियाजी को सौंप दी, जिन्होंने देश के 22 वें नौसेना प्रमुख के रूप में बुधवार को कार्यभार संभाला।

पाकिस्तान से लंदन तक छपेगा अखबारों में विज्ञापन

नवाज शरीफ 30 दिन में हाजिर हों, नहीं तो घोषित करेंगे भगोड़ा

इस्लामाबाद। विपक्षी गठबंधन पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट के जरिए सेना और इमरान सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलने वाले पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के लिए लगातार मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। इस्लामाबाद हाई कोर्ट ने अलअजीजिया और एवनफील्ड भ्रष्टाचार मामले में पूर्व प्रधानमंत्री से दो टूक कह दिया है कि वह 30 दिनों के भीतर सरेंडर करें या फिर उन्हें भगोड़ा घोषित कर दिया जाएगा। कोर्ट ने सरकार से पाकिस्तान के दो अखबारों के साथ ब्रिटेन के एक अखबार में समन छपवाने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा है कि अखबारों में विज्ञापन छपने के तीन दिन के भीतर यदि नवाज शरीफ कोर्ट में पेश नहीं हुए तो उन्हें भगोड़ा घोषित कर दिया जाएगा। कोर्ट ने केंद्र सरकार को आदेश दिया कि वह दो दिन के भीतर अखबारों में विज्ञापन की रसीद जमा करे। कोर्ट ने यह भी कहा है कि न्यूज पेपर में विज्ञापन छपने के बाद इसे कई स्थानों पर चिपकाया जाए। बुधवार को सुनवाई के दौरान इस्लामाबाद हाई कोर्ट के जस्टिस आमेर फारूक और जस्टिस मोसिन अख्तर कयानी की बेंच ने कहा कि अखबार में विज्ञापन वाले पन्ने को नवाज शरीफ के लंदन और लाहौर वाले खबर के बाहर भी चिपकाया जाए। कोर्ट ने पिछले साल मेडिकल ग्राउंड पर नवाज शरीफ को 8 सप्ताह की जमानत दी थी, जो फरवरी में खत्म हो चुकी है। कई बार जारी हो चुके अरेस्ट वॉरंट को रिसीव करने से इनकार करने की वजह से पूर्व

प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को अपराधी घोषित किया गया था।

जस्टिस आमीर फारूक ने सुनवाई के दौरान पूछा कि नवाज शरीफ को वापस लाने के लिए अगली प्रक्रिया क्या होगी। इसके जवाब में NAB के अडिशनल प्रोसिक्यूटर जनरल जाहनजायब भरवाना ने कहा कि नवाज सरीफ को भगोड़ा घोषित कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट हो चुका है कि वह जानबूझकर वॉरंट प्राप्त नहीं कर रहे हैं।

पाकिस्तान की अदालत ने शरीफ को समन करने के लिए अखबार में विज्ञापन देने का आदेश दिया

एजेंसी, इस्लामाबाद। पाकिस्तान की एक अदालत ने पूर्व प्रधानमंत्री नवाज़ शरीफ को समन करने के लिए अखबारों में विज्ञापन जारी करने का बुधवार को आदेश दिया। इससे पहले लंदन में उनके प्रतिनिधियों ने भ्रष्टाचार के मामले में उनके खिलाफ जारी गिरफ्तारी वारंट लेने से इनकार कर दिया था।

डोनाल्ड ट्रंप के कहने पर वैक्सीन नहीं लूंगी मैं... बहस के दौरान बोलीं कमला हैरिस, 10 बातें

नई दिल्ली। यूनाइटेड स्टेट्स के वाइस प्रेसिडेंट माइक पेंस और डेमोक्रेटिक वाइस प्रेसीडेंट नॉमिनी कमला हैरिस ने बुधवार रात को सॉल्ट लेक सिटी, उटाह में अपनी पहली और एकमात्र बहस पूरी की।

यह बहस यूएसए टुडे के सुसान पेज द्वारा संचालित की जा रही थी, जिन्होंने कहा कि बहस के प्रारूप में प्रत्येक उम्मीदवार के प्रश्नों के लिए समय के साथ 10 मिनट के नौ पार्ट शामिल होंगे। इस पहस में कमला हैरिस ने कुछ कमाल की बातें कहीं और ट्रंप प्रशासन के ऊपर लगातार निशआना साधा।

ये कुछ मुख्य बिंदू हैं जो कमला हैरिस ने अपनी पहली बहस में इस्तेमाल किए थे

1. अमेरिकी लोगों ने देखा है कि हमारे देश के इतिहास में किसी भी राष्ट्रपति प्रशासन की सबसे बड़ी विफलता क्या है। जो भी उपाध्यक्ष प्रशासन का दावा कर रहा है, स्पष्ट रूप से यह काम नहीं किया है. आप देश में 210,000 शवों को देख सकते हैं।

2. उन्हें पता था कि क्या हो रहा है (कोरोनावायरस) और उन्होंने आपको नहीं बताया। वे जानते थे, और उन्होंने इसे कवर किया। उन्होंने कहा कि वे आपको नहीं बताएंगे क्योंकि राष्ट्रपति चाहते थे कि अमेरिकी शांत हों। अब आप ही बताइए, जब आपके बच्चों को वापस घर भेजा गया तब आप कितने शांत थे।

3. हम टैक्स और स्वास्थ्य दोनों को लेकर पार्दर्शिता रखने पर विश्वास रखते हैं। ये जानना भी अच्छा होगा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पास किसका पैसा है। अमेरिकियों को पता होना चाहिए कि उनके फैसलों पर क्या प्रभाव पड़ रहा है।

4. जो और मेरा उद्देश्य है अमेरिकी लोगों को ऊपर उठाने का। हमें उन्हीं मूल्यों से पाला गया है। वो मेरे जीवन का सबसे अच्छा दिन था जब मुझे उनसे फोन आया।

5. जो बिडेन का मानना??है कि अर्थव्यवस्था के स्वास्थ्य को अमेरिकी श्रमिकों के स्वास्थ्य से मापा जाना चाहिए। लेकिन डोनाल्ड ट्रम्प का मानना ??था कि अर्थव्यवस्था को इस बात से मापा जाना चाहिए कि लोग कितने अमीर हैं। जो नवाचार, शिक्षा, स्वच्छ ऊर्जा, बुनियादी ढांचे में निवेश करेंगे। वह अमेरिका के लोगों में निवेश करने में विश्वास करते हैं।

6.जो टैक्स में भी बढ़ोतरी नहीं करेंगे। वो इस बात को लेकर बहुत स्पष्ट हैं। बिडेन अमेरिका को मंदी से वापस लाने के लिए भी जिम्मेदार रहे हैं।

7. यदि सार्वजनिक स्वास्थ्य पेशेवर, डॉक्टर हमें बताते हैं कि हमें वैक्सीन लेनी चाहिए तो मैं इसे लेने के लिए पहली लाइन में खड़ी रहूंगी। लेकिन अगर ट्रंप हमसे कहते हैं कि हमें इसे लेना चाहिए तो मैं इसे नहीं लूंगी।

8.डोनाल्ड ट्रम्प ने मित्रता को धोखा दिया और दुनिया के तानाशाहों को गले लगाया। उदाहरण के लिए, रूस को ही ले लीजिए।

अनुसंधानकर्ताओं ने पाया कि हवा में महज 4.6 पीपीबी एनओ-2 घटा कर 14,672 कोविड-19 मरीजों की जान बचाई जा सकती है।

शहरी प्रदूषण कोविड-19 को और घातक बना सकता, स्टडी में आया सामने

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में हुए एक अध्ययन में दावा किया गया है कि लंबे समय तक शहरी प्रदूषण, खासतौर पर नाइट्रोजन डाई ऑक्साइड के संपर्क में रहने पर कोविड-19 और प्राणघातक हो सकता है। दि इनोवेशन जर्नल में प्रकाशित अध्ययन में अमेरिका के 3,122 काउंटियों में जनवरी से जुलाई के बीच अहम प्रदूषकों जैसे पीएम2.5, नाइट्रोजन डाई ऑक्साइड और ओजोन का विश्लेषण किया गया।

अमेरिका स्थित इमोरी विश्वविद्यालय के दोंगहाइ लियांग ने कहा, ''प्रदूषण के अल्पकालिक और दीर्घकालिक संपर्क की स्थिति में मानव शरीर पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष तंत्रगत प्रभाव ऑक्सीडेटिव दबाव, शोथ और श्वास संक्रमण के खतरे के रूप में पड़ता है।

'' वायु प्रदूषण के प्रदूषकों और कोविड-19 की तीर्वता के बीच के संबंध का पता लगाने के लिए अनुसंधानकर्ताओं ने दो प्रमुख नतीजों - कोविड-19 के पीड़ित मरीजों की मृत्यु और आबादी में कोविड-19 होने वाली मौतों की दर - का अध्ययन किया। दो संकेतक क्रमश: कोविड-19से होने वाली मौतों के लिए जैविक संवेदनशीलता का संकेत दे सकते हैं और कोविड-19 से मौतों की तीव्रता की जानकारी दे सकते हैं। अनुसंधानकर्ताओं के प्रदूषकों के विश्लेषण से पता चला कि कोविड-19 से होने वाली मौतों से नाइट्रोजन ऑक्साइड का बहुत मजबूत संबंध है। उन्होंने कहा कि वायु में नाइट्रोजन डाई ऑक्साइड (एनओ2) के 4.6 हिस्से प्रति अरब (पीपीबी) के इजाफे से क्रमश: 11.3 प्रतिशत कोविड-19 मरीजों की मौत और और 16.2 प्रतिशत मृत्युदर बढ़ती है।

अनुसंधानकर्ताओं ने पाया कि हवा में महज 4.6 पीपीबी एनओ-2 घटा कर 14,672 कोविड-19 मरीजों की जान बचाई जा सकती है।

अनुसंधानकर्ताओं ने पीएम-2.5 का आंशिक असर कोविड-19 मरीजों की मौत पर देखा। कोविड-19 मरीजों की मौत से ओजोन का संबंध देखने को नहीं मिला।

दुबई में चार पाक समेत सात लोगों ने भारतीय पर किया हमला

भारतीय की डंडों से पिटाई की और उसके 1,500 दिरहम (408 अमेरिकी डॉलर) छीनकर भाग गए।

एजेंसी, दुबइ। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में अवैध तरीके से शराब बेचने वाले सात लोगों के समूह ने एक भारतीय पर डंडों से हमला कर उसके पैसे छीन लिये। दुबई की एक अदालत को यह जानकारी दी गई है। गल्फ न्यूज की खबर के अनुसार सात हमलावरों में चार पाकिस्तानी, दो नेपाली और एक भारतीय है। वे अल रिफा इलाके में अवैध रूप से शराब बेचते थे। उन्होंने जुलाई में एक रिहाइशी इमारत के सामने 28 वर्षीय भारतीय पर हमला कर दिया था।

आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार पीड़ित ने कहा, मैं आरोपियों को जानता था क्योंकि मैं हर रोज उन्हें इलाके में शराब बेचते देखा करता था। मैंने दुबई पुलिस को इसकी सूचना देने के लिए उनके वाहन का पंजीकरण नंबर नोट कर लिया था, जब उन्हें इस बारे में पता चला तो उन्होंने मुझ पर हमला कर दिया।

आरोपियों ने जमीन पर गिराकर भारतीय की डंडों से पिटाई की और उसके 1,500 दिरहम (408 अमेरिकी डॉलर) छीनकर भाग गए। दुबई पुलिस ने हमलावरों को गिरफ्तार कर उनके पास से बड़ी मात्रा में शराब बरामद की। उनके खिलाफ पीड़ित पर शारीरिक हमला करने और लूटपाट करने का आरोप लगाया गया। दुबई की एक दालत ने उन्हें एक महीने की जेल की सजा सुनाई है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

त्वचा की समस्या हो सकती है गंभीर बिमारी

त्वचा से जुड़ी समस्याएं जैसे मुंहासे, रैशेज, ड्राइ स्किन आदि भले ही बेहद आम लगें लेकिन कई बार ये कई गंभीर रोगों का संकेत भी हो सकती हैं। अगर समय रहते इनका इलाज करवाने के बाद भी आपको इन रोगों से पूरी तरह छुटकारा नहीं मिल पा रहा है तो हो सकता है त्वचा की ये समस्याएं आपकी सेहत से जुड़े कुछ गंभीर रोगों का इशारा हों सकती हैं।

चेहरे पर अवांछित बाल या मुंहासे

ऐसी कई महिलाएं होती हैं जिनके चेहरे पर लंबे समय तक मुंहासे रहते हैं और दवा के बाद भी पूरी तरह खत्म नहीं होते। या फिर अचानक से चेहरे पर बाल बढ़ने शुरू हो जाते हैं। यह स्थिति हो सकती है पोलिसिस्टिक ओवरी सिड्रोम नामक समस्याओं को जो आजकल महिलाओं में काफी आम है और उनकी प्रजनन क्षमता को प्रभावित करता है।

त्वचा पर अधिक खुजली

त्वचा पर बहुत अधिक खुजली, अगर बार-बार यह समस्या आपके साथ बनी रहती है तो यह किसी तरह की एलर्जी के भी लक्षण हो सकते हैं।

कमजोर नाखून व बाल

कई बार त्वचा इतनी रूखी हो जाती है कि बालों की जड़ और नाखून कमजोर हो जाते हैं। ऐसे में बाल झड़ते हैं और त्वचा बहुत रूखी रहती है। यह स्थिति हाइपोथायरॉइड की भी हो सकती है।

त्वचा पर रैशेज या रंग बदलना

कई बार त्वचा इतनी संवेदनशील हो जाती है कि उस पर रैशेज बनने लगते हैं। कभी-कभी स्थिति यह भी होती है कि त्वचा का रंग बदल जाता है। ये सभी लक्षण डायबिटीज के हो सकते हैं। इसके अलावा, डायबिटीज में एड़ियां भी अधिक फटती हैं।

लाल चकत्ते

त्वचा पर बहुत खुजली और लाल चकते हेपेटाइटिस सी का भी संकेत हो सकते हैं। अगर ये समस्याएं आपके शरीर में छह हफ्तों से ज्यादा समय तक हैं तो एक बार डॉक्टर से इसका टेस्ट जरूर करवा लें।

स्तनपान के दौरान ज्यादा कैल्शियम है जरूरी

गर्भावस्था और उसके बाद शरीर को सबसे ज्यादा खपत कैल्शियम की होती है। गर्भावस्था के दौरान मां के लिए अपनी सेहत का खयाल रखना महत्वपूर्ण है, क्योंकि अच्छी सेहत ही उसके बच्चे और प्रसव के बाद के समय को बेहतर बना सकती है।

अच्छी सेहत के लिए स्वस्थ खाना सबसे जरूरी है, जो न सिर्फ गर्भधारण में बल्कि स्तनपान के दौरान भी खास भूमिका निभाता है। हालांकि सभी के लिए जरूरी पोषक तत्वों को पूरा करने के लिए संतुलित आहार लेना जरूरी है, लेकिन गर्भवती या स्तनपान कराने वाली महिलाओं को इस ओर ज्यादा ध्यान देना चाहिए। जरूरी पोषक तत्वों की कड़ी में कैल्शियम लेना लिस्ट में सबसे ऊपर है।एक अध्ययन के अनुसार गर्भधारण और स्तनपान के दौरान महिलाओं का कैल्शियम लेना बहुत अहम है। अगर मां की हड्डियों से कैल्शियम खत्म हो जाएगा तो इससे बच्चे की सेहत तो बिगड़ेगी ही, मां की सेहत पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।स्तनपान के दौरान जो महिलाएं अपर्याप्त दूध या कैल्शियम लेती है, उनकी हड्डियों से कैल्शियम पूरी तरह से निकल जाता है। जिन महिलाओं की हड्डियों का घनत्व कम होता है, उनके लिए तो कैल्शियम की अनदेखी करना बहुत खतरनाक है। ऐसे समय में कैल्शियम सप्लीमेंट लेना बहुत जरूरी है अन्यथा बाद में ओस्टियोपोरिसस होने की आशंका रहती है। 30 साल की उम्र होते ही महिलाओं में कैल्शियम का अवशोषण कम होने लगता है। इसलिए जो महिलाएं तीस के पार गर्भधारण का सोचती हैं, उनके लिए तो कैल्शियम लेना बहुत महत्वपूर्ण है। गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को भविष्य में हड्डियों से जुड़ी बीमारियों जैसे कि ओस्टियोपोरेसिस और फ्रैक्चर आदि से बचने और भ्रूण या नवजात बच्चे के सही विकास के लिए रोजाना औसतन 1000 मिलीग्राम कैल्शियम लेना चाहिए। भ्रूण और नवजात बच्चे का विकास और उसकी हड्डियों का घनत्व मां से मिलने वाले कैल्शियम पर निर्भर करता है। कैल्शियम की सही और प्रचुर मात्रा दूध और दूध से बने उत्पाद, हरी सब्जियों, कई समुद्री आहार, फोर्टीफाइड आहार और बाजार में मिलने वाले कैल्शियम सप्लीमेंट से पूरी की जा सकती है। हड्डी मजबूत रहे, इसके लिए नियमित रूप से व्यायाम भी करें। टहलना और खासकर ऐसे व्यायाम जिसमें आप गुरुत्वाकर्षण के विरुद्ध बल लगाते हैं, करने से मांसपेशियां और हड्डियां मजबूत होती हैं।

रोग प्रतिरोधक क्षमता ठीक तो रहेंगे चुस्त दुरुस्त

पांच तरीकों से तनाव दूर भगाएं

बारिश के मौसम में हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने लगती है। जिस वजह से हम कई बार हमें मौसमी बीमारियां घेर लेती हैं। लेकिन अगर कुछ बातों का ध्यान रखें तो इस मौसम में भी चुस्त–दुरुस्त रह सकते हैं। कुछ लोग दूसरों के मुकाबले ज्यादा जल्दी बीमार पड़ जाते हैं, इसकी मुख्य वजह होती है शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता का कम होना। स्वस्थ्य रहने के लिए जरूरी है कि आपका रोग प्रतिरोधक तंत्र मजबूत हो।

क्या है रोगप्रतिरोधक क्षमता

रोगप्रतिरोधक शरीर का बीमारियों और संक्रमण के प्रति प्राकृतिक प्रतिरक्षा तंत्र है। प्रतिदिन कई बैक्टीरिया, जीवाणु और रोगाणु हमारे शरीर पर हमला करते हैं। हमारा शरीर इसके विरुद्ध प्रतिरोध दिखाता है। इस प्रतिरोध का स्तर इस पर निर्भर करता है कि हमारा रोगप्रतिरोधक तंत्र कितना शक्तिशाली है।

रोगप्रतिरोधक तंत्र का काम

रोगप्रतिरोधक तंत्र हमारे शरीर का वह नेटवर्क है, जो बाहरी आक्रमण से शरीर की रक्षा करता है। यह आक्रमण आंखों से दिखाई न देने वाले परजीवी, वायरस, बैक्टीरिया तथा अन्य कई प्रकार के सूक्ष्मजीवों का होता है। यह आक्रमण कभी-कभी नहीं, बल्कि हमेशा होता रहता है। शरीर के कुछ दुश्मन शरीर के अंदर भी होते हैं जैसे टॉक्सिन आदि। इनसे लड़ने और शरीर को इनके हानिकारक प्रभावों से बचाने का काम रोगप्रतिरोधक तंत्र करता है।

यह क्यों हो जाता है कमजोर

कई तत्व रोगप्रतिरोधक तंत्र को प्रभावित करते हैं, जिनमें जीवनशैली संबंधी आदतें, बीमारी, मौसम में बदलाव, एलर्जी प्रमुख हैं।पोषक भोजन न खाना, नियमित समय पर न खाना, देर रात तक जागना, शारीरिक रूप से सक्रिय न रहना भी इसके कारण हैं।आयुर्वेद के अनुसार अच्छे स्वास्थ्य के लिए पाचनतंत्र का दुरुस्त होना बहुत जरूरी है। बेहतर भोजन और उसका ठीक तरह से पाचन हो जाए तो रोगप्रतिरोधक तंत्र ठीक रहता है। लगभग 80 प्रतिशत रोगप्रतिरोधक तो खान-पान पर ही निर्भर रहता है। साबुत अनाज, हरी सब्जियां, फलियां और दालें अधिक मात्रा में खाएं।

जरूरी चीजें

अपने भोजन में कुछ ऐसे खाद्य पदार्थ जरूर शामिल करें जो विटामिन्स,और मिनरल्स से भरपूर होते हैं।

खट्टे फल- ये विटामिन सी से भरपूर होते हैं और संक्रमण से बचाने में काफी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। फलों को साबुत रूप में खाएं, ताकि फाइबर भी मिल जाए।

दही- एक कटोरी दही अपने भोजन में अवश्य शामिल करें, क्योंकि इसमें पाए जाने वाले बैक्टीरिया शरीर को संक्रमण से लड़ने में सहायता करते हैं।

लहसुन- इसमें एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-वायरल विशेषताएं होती हैं। यह सर्दी-खांसी के साथ ट्यूमर, अल्सर, सिरदर्द, कैंसर और कई दूसरी बीमारियों से बचाता है।

अदरक- पसीने के निर्माण को बढ़ा देता है, जो शरीर से टॉक्सिन और रोगाणुओं को बाहर निकालता है।

चाय- नियमित रूप से एक कप हरी, काली या दूध वाली चाय पिएं। इसमें पॉलीफिनॉल्स की मात्रा होती है, जो शरीर की रक्षा करता है।

तो इम्यून बने बेहतर- एक कहावत है कि परहेज इलाज से बेहतर होता है। आप अपने इम्यून तंत्र को शक्तिशाली रख कर अपने शरीर को कई बीमारियों से बचा सकते हैं।

स्वस्थ खाएं- स्वस्थ रहने के लिए स्वस्थ भोजन करें। संपूर्ण और संतुलित आहार, जिसमें फल, सब्जियां और दूसरे आवश्यक पोषक तत्व संतुलित मात्रा में हों, इम्युनिटी को बेहतर बनाने में सहायता करते हैं।

खूब पानी पिएं- ढेर सारा पानी पिएं। यह किडनी की कार्यप्रणाली को चुस्त-दुरस्त रखने और शरीर से विषैले पदार्थों को बाहर निकालने के लिए बहुत जरूरी है।

भरपूर सोएं- आपके शरीर और मस्तिष्क के ठीक ढंग से काम करने के लिए 6-8 घंटे की नींद बहुत जरूरी है। अगर आप पर्याप्त नींद नहीं लेंगे तो इम्यून तंत्र को पुनर्निर्माण का समय नहीं मिलेगा और वह कमजोर हो जाएगा।

साफ-सफाई का विशेष ख्याल रखें

अपने आसपास के वातावरण को साफ रखें। फल और सब्जियों को खाने और पकाने से पहले अच्छी तरह धो लें। खाना बनाने और खाने के पहले अपने हाथों को अच्छी तरह साफ कर लें। अपने शरीर और कपड़ों की साफ-सफाई का भी ख्याल रखें, क्योंकि गंदगी के कारण संक्रमण की चपेट में आने का खतरा बढ़ जाता है।

तनाव न लें

तनाव भी अप्रत्यक्ष रूप से इम्यून सिस्टम को प्रभावित करता है। तनाव से पाचन तंत्र प्रभावित होता है, जिससे इम्यून तंत्र कमजोर पड़ जाता है।

व्यायाम व योग करें

व्यायाम और योग व्यक्ति को शारीरिक रूप से स्वस्थ और मानसिक रूप से संतुलित बनाते हैं। शारीरिक सक्रियता इम्युनिटी बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

आज की भागदौड़ भरी जिदगी में हर तीसरा व्यक्ति तनाव का शिकार है। तनाव होने के कई कारण है जैसे काम पूरा न होना, रिश्तों का रूठना, तरक्की का दबाव आदि। लेकिन कुछ आसान उपाए अपनाकर हम तनाव दूर भगा सकते हैं।

शारीरिक श्रम- दिनभर में मेहनत का एक ऐसा काम जरूर करें, जिसमें कसरत हो। शारीरिक श्रम के दौरान मस्तिष्क में एंडोर्फिस रसायन बनते हैं, जो मूड अच्छा रखते हैं। पसंद के अनुसार व्यायाम, डांस या खेल कुछ भी चुनें। इससे दिनभर की ऊर्जा मिलेगी।

नींद जरूरी है- आधुनिक जीवन में शरीर से ज्यादा काम हमारा दिमाग़ करता है और इसे रीचार्ज करने के लिए भरपूर आराम जरूरी है। इसीलिए विशेषज्ञ रोजाना 7-8 घंटे की नींद लेना बेहद जरूरी मानते हैं। इसके अभाव में तनाव का बोझ बढ़ने लगता है।

वादों को पूरा करें- तनाव की एक बड़ी वजह है, अपने वादों को पूरा न कर पाना। कामकाजी और निजी जिदगी में उतने ही वादे करें, जिन्हें निभा सके। क्षमता से ज्यादा काम करने की कोशिश आपकी परेशानियां बढ़ाएगी और काम बिगड़ने की आशंका भी रहेगी।

नया पल बना रहे- हमेशा एक जैसी दिनचर्या मन को थका देती है। घर के रोजमर्रा के कामों के अलावा दिनभर में कुछ न कुछ नया जरूर करें। हर छह महीने में कुछ नया सीखने के नियम का पालन भी जीवन में नया उत्साह और खुशी भरता रहेगा।

योग-ध्यान- योगाभ्यास, ध्यान और प्राणायाम शरीर के साथ-साथ मन-मस्तिष्क की थकान को दूर करने में भी अहम भूमिका निभाते हैं। इनसे एकाग्रता भी बढ़ती है। रोजाना कम से कम 20 मिनट इनका अभ्यास करें। कुछ ही दिनों में फर्क महसूस करेंगे।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मरीजों को घर बैठे निदान व उपचार सुविधा प्रदान करती ई–संजीवनी राज्यव्यापी प्रारंभ

ई–संजीवनी ओपीडी से कम होगा हॉस्पिटलों पर मरीजों का बोझः मुख्यमंत्री

आज के ई–युग में अब स्वास्थ्य सेवाएं भी उंगली के इशारे पर उपलब्धः उप मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री विजय रूपाणी ने राज्य में ई–संजीवनी ओपीडी सेवा का शुभारंभ करते हुए साफ कहा कि दवाखानों और हॉस्पिटलों में मरीजों का बोझ कम कर घर बैठे उपचार सुविधा के लिए यह ई–संजीवनी ओपीडी बेहद लाभदायी साबित होगी। मुख्यमंत्री ने उप मुख्यमंत्री श्री नितिनभाई पटेल की उपस्थिति में गुरुवार को गांधीनगर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए ई–संजीवनी ओपीडी का ई–लोकार्पण करते हुए यह बात कही।

केंद्र सरकार की ओर से देश के विभिन्न राज्यों में ई–संजीवनी ओपीडी कार्यरत की गई है।

इसके अंतर्गत आज से गुजरात में भी इस सेवा का शुभारंभ हुआ है।

मुख्यमंत्री ने कोरोना संक्रमण के वर्तमान दौर में ई–संजीवनी ओपीडी को मरीजों को सामान्य बीमारियों के लिए घर बैठे दवाई–प्रिस्क्रिप्शन देने व निःशुल्क उपचार मुहैया कराने का एक सक्षम माध्यम करार दिया।

उन्होंने कहा कि घर बैठे डॉक्टर से परामर्श करने तथा दवाई या उपचार सुविधा प्राप्त करने की यह नवीन पद्धति कोरोना संक्रमण काल में समयोचित है।

श्री रूपाणी ने राज्य के स्वास्थ्य कर्मियों और प्रशासनिक तंत्र के इस वर्ष की शुरुआत से ही कोरोना के खिलाफ डटकर पूरी मुस्तैदी के साथ काम में जुटे रहने की प्रशंसा करते हुए कहा कि अब इस ई–संजीवनी ओपीडी के जरिए आपत्ति को अवसर में बदलने के हमारे संस्कार और उजागर हुए हैं।

उन्होंने कहा कि इस मोबाइल एप में टू–वे वीडियो कॉलिंग की जो सुविधा है उसके चलते मरीज और डॉक्टर के बीच संवाद होने से उपचार अधिक प्रभावी होगा।

उप मुख्यमंत्री श्री नितिनभाई पटेल ने कहा कि ई–युग में जिस तरह वित्तीय लेनदेन, नगरों और महानगरों के टैक्स सहित अन्य सेवाएं ऑनलाइन हैं, उसी तरह अब जन–जन के स्वास्थ्य कल्याण की यह सेवा भी 'एट वन क्लिक' यानी उंगली के इशारे पर घर बैठे उपलब्ध हो सकेगी।

श्री पटेल ने कहा कि दूरदराज के गांवों में रहने वाले मरीजों का इस एप के जरिए अपने घर बैठे ही निदान और उपचार हो सकेगा।

उन्होंने कहा कि उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) या प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) या फिर अस्पताल जाने से मुक्ति मिलेगी।

यही नहीं, इस एप के माध्यम से ऐसी व्यवस्था विकसित की गई है

कि डॉक्टर योग्य निदान कर आवश्यकता पड़ने पर विशेषज्ञ डॉक्टरों की भी सलाह प्राप्त कर उसके अनुसार आगे का उपचार कर सकेंगे।

श्री पटेल ने कहा कि फोन पर डायग्नोसिस सुविधा प्रदान करने वाली यह सेवा स्वास्थ्य क्षेत्र में आधुनिक टेक्नोलॉजी के उपयोग और टेलीमेडिसिन का एक अनूठा उदाहरण है।

उप मुख्यमंत्री ने भविष्य में इस सेवा का दायरा मेडिकल कॉलेजों तक बढ़ाकर युवा डॉक्टरों को भी उससे जोड़ने की मंशा व्यक्त की।

सूरत–सूडा की प्रारूप विकास योजना–2035 को मुख्यमंत्री की अंतिम मंजूरी

अहमदाबाद (ईएमएस)द्य मुख्यमंत्री श्री विजय रूपाणी ने गुरुवार को सूरत महानगर के विकास को नई ऊंचाई प्रदान करने के ऐतिहासिक निर्णय के अंतर्गत सूरत शहरी विकास प्राधिकरण (सूडा) कीप्रारूप विकास योजना (ड्राफ्ट डीपी) 2035 को अंतिम मंजूरी देकर फाइनल किया है। मुख्यमंत्री ने महानगरों और नगरों के तेज और सुव्यवस्थित विकास की प्रतिबद्धता के साथ डीपी की अनुमति देने में त्वरित निर्णायकता का दृष्टिकोण अपनाया है। सूडा की ओर से मंजूरी के लिए भेजी गई विकास योजना के विषय में जनवरी–2019 में अनारक्षित जम. ीनों तथा नवंबर–2019 में आरक्षित जमीनों के लिए जारी की गई अधि ासूचना के संबंध में प्राप्त आपत्तियों और सुझावों को ध्यान में लेते हुए मुख्यमंत्री ने प्राथमिक अधिसूचना अंतिम कर सूडा की इस फाइनल डीपी को मंजूर किया है।

इस विकास योजना के मंजूर होने से लगभग 850 हेक्टेयर जमीन निर्माण कार्य और विकास के लिए उपलब्ध होगी।

30 वर्ष से आरक्षितक श्रेणी में रखी गई जमीनों के मुक्त होने से किसानों व जमीन मालिकों का विकास स्वप्न साकार होने की नई राह खुली है।

अब, इस डीपी के मंजूर होने से अहमदाबाद–मुंबई राष्ट्रीय राजमार्ग की दोनों तरफ 1 किलोमीटर के कामरेज से पलसाणा तक 50 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में उच्च घनत्व आवासीय और व्यावसायिक विकास हो सकेगा। प्रधानमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट अहमदाबाद–मुंबई बुलेट ट्रेन के सूरत के निकट स्थित प्रस्तावित भव्य स्टेशन अंतरोली और उसके आसपास के क्षेत्र में उच्च घनत्व आवासी और व्यावसायिक विकास के लिए भी नई क्षितिज खुलेंगी। कामरेज–पलसाणा कोरिडोर, अंतरोली हाईस्पीड कोरिडोर जैसे अति महत्वपूर्ण प्रस्ताव को अंतिम मंजूरी मिलने से बुलेट ट्रेन, मेट्रो रेल और ट्रांसपोर्ट सुविधा के लिए नई दिशा मिलेगी।

हजीरा क्षेत्र में हो रहे औद्योगिक विकास के मद्देनजर विकास योजना में प्रस्तावित औद्योगिक विकास गलियारा इस क्षेत्र में और भी योजनाबद्ध तरीके से औद्योगिक विकास को बल प्रदान करेगा। इतना ही नहीं,

इससे रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और शहर की अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी। उल्लेखनीय है कि नए जोनिंग वाले क्षेत्र में विशेषकर उच्च घनत्व कोरिडोर में तत्काल प्रभाव से नगर नियोजन योजनाओं (टीपी स्कीम) का आयोजन किया जाएगा।

इसके परिणामस्वरूप आध ारभूत सुविधाओं के विकास के साथ सुनियोजित सहूलियतें भी मुहैया कराई जा सकेंगी।

सूरत के स्मार्ट सिटी के रूप में निर्माण को गति देने में मुख्यमंत्री का यह निर्णय बहुत उपयोगी साबित होगा।

पोश इलाके में स्पा की आड में चल रहे सेक्स रैकेट का पर्दाफाश, संचालक गिरफ्तार

राजकोट शहर के पोश इलाके में स्पा की आड में चल रहे सेक्स रैकेट का पर्दाफाश कर राजकोट क्राइम ब्रांच ने संचालक को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़ा गया संचालक एक महीने में दूसरी दफा सेक्स रैकेट चलाने के मामले में गिरफ्तार हुआ हैद्य राजकोट क्राइम ब्रांच को सूचना मिली थी कि शहर के यूनिवर्सिटी रोड स्थित जलाराम प्लोट के गुरुकृपा कॉम्प्. लेक्स की दूसरी मंझिल पर हेवन ड्रीम वेलनेस नामक मसाज पार्लर चलता हैद्य जहां स्थानीय समत दिल्ली से युवतियों को बुलाकर देह व्यापार कराया जाता है।

सूचना के आधार पर क्राइम ब्रांच ने जब स्पा में छापा मारा तो भीतर की शानोशौकत देख

दंग रह गई।

स्पा के भीतर ग्राहकों को शाही सुविधा उपलब्ध करवाई जाती थी। बोडी मसाज की आड़ में सेक्स रैकेट के संचालक सनी भोजाणी को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया।

सनी भोजाणी स्थानीय के अलावा दिल्ली से युवतियों को बुलाता और ग्राहकों से उनके लिए रु. 3000 से रु. 5000 लेता था।

पुलिस ने पीड़ित युवतियों को मुक्त कराने के साथ ही आरोपी सनी भोजाणी के खिलाफ मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू की है।

जानकारी के मुताबिक सनी भोजाणी ने एक महीने दूसरी दफा बोडी मसाज के बहाने राजकोट ऐसे मामले में गिरफ्तार हुआ है।

इससे पहले राजकोट के बी डिवीजन पुलिस थानान्तर्गत सनी भोजाणी स्पा की आड में सेक्स रैकेट चलाता था।

जहां पुलिस ने रेड कर उसे गिरफ्तार किया था।

लेकिन जमानत पर छूटने के बाद सनी ने अपना दूसरा ठिकाना बनाया और वहां स्पा की आड में सेक्स रैकेट चलाने लगा

भाजपा की टिकट 2012 में कपराड़ा से चुनाव लड़ चुके प्रकाश पटेल उपचुनाव लड़ेंगे

वलसाड गुजरात विधानसभा की 8 सीटों पर उपचुनाव का ऐलान हो चुका है और भाजपा व कांग्रेस अपने उम्मीदवारों की चयन प्रक्रिया में जुटी हुई हैं।

शुक्रवार से उपचुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू हो जाएगीद्य लेकिन भाजपा और कांग्रेस के उम्मीदवारों के नामों का ऐलान नहीं हुआ है।

वलसाड जिले की कपराडा विध ानसभा सीट कांग्रेस के जीतु चौध ारी के इस्तीफे से रिक्त हुई है। आगामी 3 नवंबर को 8 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होना हैद्य ऐसे में कपराडा विधानसभा सीट से वलसाड जिला पंचायत के पूर्व प्रमुख और भाजपा के पूर्व नेता प्रकाश पटेल ने चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया है।

वर्ष 2012 के विधानसभा चुनाव में प्रकाश पटेल ने कपराड़ा सीट से चुनाव लड़ा था। उसके बाद प्रकाश पटेल ने राजनीति से संन्यास ले लिया था।

जिसके बाद से अब तक राजनीति से अलिप्त रहे प्रकाश पटेल के कपराडा सीट से चुनाव लड़ने की घोषणा से वलसाड की राजनीति गरमा गई है।

उपचुनाव में प्रकाश पटेल निर्दलीय उम्मीदवार करेंगे।

पिता की मृत्यु का प्रमाण पत्र लेने गए पुत्र की अस्पताल में मौत

वडोदरा शहर के इलारो पार्क क्षेत्र में पिता की मौत से बेटे का गहरा आघात लगा और उसने भी दम तोड़ दियाद्य यह घटना उस समय हुई जब युवक अपने पिता का डेथ सर्टिफिकेट लेने अस्पताल गया था।

पिता–पुत्र की एक साथ अंतिम यात्रा देख लोगों की आंखें भर आईं जानकारी के मुताबिक वडोदरा के इलोरा पार्क निवासी एलआईसी के डेवलपमेंट आफीसर और नोर्थ इंडिया कल्चरल एसोसिएशन (नीका) के आजीवन सदस्य जिगर शाह के पिता किरणभाई शाह 20 साल पहले सिंचाई विभाग से सेवा निवृत्त हुए थे। जिगर शाह का बड़ा भाई मानसिक रूप से अस्वस्थ है।

ओएलएक्स पर आईफोन11 खरीदन की चाह में युवक ने गंवाए 3.96 लाख रुपए

सूरत के खोलवड में रहनेवाले एक युवक ने ओएलएक्स पर आईफोन 11 खरीदने की चाह में 3.96 लाख रुपए गंवा दिए।

ठगे जाने का अहसास होने के बाद युवक ने सूरत के सलाबतपुरा

पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। जानकारी के मुताबिक सूरत में खोलवड के एंजल पैलेस निवासी 23 वर्षीय नीरव जयसुख वोरा नामक युवक शहर के रिंग रोड पर न्यू अंबाजी मार्केट स्थित सोरठ सिल्क में बतौर एकाउन्टन्ट नौकरी करता है।

नीरव रु. 1.10 लाख कीमत का आईफोन 11 खरीदना चाहता था और इसके लिए उसने अपने फोन में ओएलएक्स एप डाउनलोड की थी।

जिसके बाद अवनी शर्मा नामक युवती ने नीरव से संपर्क किया और आईफोन खरीदने के लिए एडवान्स के तौर पर रु. 10000 जमा कराने को कहा। नीरव ने युवती द्वारा बताए गए बैंक एकाउंट में 10000 रुपए जमा करवा दिए। बाद में युवती ने नीरव को फोन किया और कहा कि फोन खरीदने में एरर आ रहा है और उसे कस्टम चार्जिस के तौर पर रु. 16000 जमा करने होंगे। युवती के कहने पर नीरव पर रु. 16000 जमा करवा दिए।

तीसरी बार युवती का नीरव पर फोन आया और जीएसटी के नाम पर 25000 जमा करने को कहा। नीरव ने और 25000 रुपए भी जमा करवा दिए।

जिसके बाद अलग अलग चार्ज के नाम पर युवती नीरव से रुपए जमा करवाती रही और वह बताए गए खाते में रुपए डिपोजिट करता रहा। काफी रुपए गंवाने के बाद भी फोन नहीं मिलने पर परेशान नीरव ने कहा कि उसे आईफोन नहीं खरीदना, जितने रुपए अब तक जमा किए हैं, वह वापस लौटा दोद्य इस पर युवती ने नीरव से कैंसलेशन चार्ज की मांग की। इस प्रकार अवनी शर्मा नामक युवती को नीरव वोरा से रु. 3.96 लाख का चूना लगा दिया। रु. 1.10 लाख कीमत के आईफोन 11 के लिए रु. 3.96 लाख रुपए दे चुके नीरव वोरा को फोन नहीं मिलाद्य ठगे जाने का अहसास होने पर नीरव वोरा ने सूरत के सलाबतपुरा पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवा दीद्य जिसके आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है।

कोरोना के चलते इस वर्ष सूरत में नहीं होगी रामलीला, 45 साल पुरानी परंपरा टूटेगी

सूरत में इस साल रामलीला का आयोजन नहीं किया जाएगा। 45 साल में पहली बार होगा जब सूरत में रामलीला का जीवंत मंच लोग देख नहीं पाएंगे।

सूरत में वर्षों से रामलीला के मंचन के लिए मथुरा और वृंदावन से 35 लोगों का समूह आता है। रावण का पुतला बनाने वाले लोग करने का फैसला किया गया है।

में रामलीला का प्रारंभ हुआ था। जिसके बाद लोगों की उत्सुकता और विश्वास रामलीला के प्रति बढ़ने पर मंच बड़ा हुआ और स्थल भी बदले।

कोरोना महामारी के कारण श्री आदर्श रामलीला ट्रस्ट ने इस साल रामलीला मंचन, रावण दहन जैसे सभी कार्यक्रम रद्द कर दिए हैं। ट्रस्ट के सचिव अनिल अग्रवाल ने कहा कि नवरात्रि महोत्सव के तीन महीने पहले ट्रस्ट की रामलीला की तैयारियों के संदर्भ में बैठकों का दौर शुरू हो जाता है।

लेकिन इस साल कोरोना को ध्यान में रखते हुए रामलीला और रावण दहन के कार्यक्रम को रद्द भी मथुरा से और आतिशबाजी के ले गाजियाबाद से लोग आते हैं। लेकिन इस वर्ष कोरोना संकट के कारण रामलीला समेत सभी कार्यक्रम रद्द किए गए हैंद्य सूरत में रामलीला का स्टेज पर मंचन करने का इतिहास काफी पुराना है और इसे व्यवस्थित रूप से पेश करने में आदर्श रामलीला ट्रस्ट का बड़ा योगदान है।

45 वर्ष पहले 1975 में सूरत के सगरामपुरा की सिंगापुरी वाडी जिसमें अठवालाइन्स स्थित चौपाटी और मोहन पार्क, जिसके पश्चात पार्ले पोइन्ट के

राधाकृष्ण पार्टी प्लाट, घोडदड़ रोड के वृंदावन पार्क और आखिर में सूरत महानगर पालिका ने वेसू में रामलीला मैदान के तौर पर बनाए पार्टी प्लाट ने विशेष पहचान दी।

लेकिन इस वर्ष कोरोना संकट के कारण सूरतवासी रामलीला नहीं देख पाएंगे।

माता की जान बचाने पुत्र ने चाकू से गोदकर पिता की हत्या की

राजकोट के शिवाजीनगर क्षेत्र में एक युवक ने अपनी माता की जान बचाने के लिए पिता की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी पुत्र को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई शुरू की है। जानकारी के मुताबिक राजकोट के थोराला क्षेत्र के शिवाजीनगर में रहनेवाले राजेश उर्फ राजु मकवाणा नामक शख्स नशे की हालत में अपनी पत्नी को चाकू से मारने का प्रयास कर रहा था। राजेश मकवाणा अपनी पत्नी पर चाकू से हमला करे उससे पहले पुत्र मोहित मकवाणा ने उसके हाथ से चाकू छीन लिया और मां की जान बचाने के लिए ताबड़तोब हमला कर पिता को घाट उतार दिया। घटना के चंद घंटों बाद पुलिस ने आरोपी मोहित मकवाणा को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस जांच में पता चला कि मृतक राजेश मकवाणा रिक्शा चलाता था और नशे का आदी था। लेकिन पिछले काफी समय से गांजा नहीं मिलने से राजेश मकवाणा की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी।।

इस साल मनेगी कामधेनु दीपावली गाय के गोबर से बनाए जाएंगे 33 करोड़ दिए

गुजरात समेत देशभर में इस वर्ष कामधेनु दीपावली मनाई जाएगी और उसके लिए गाय के गोबर से 33 करोड़ दिए बनाए जाएंगे। ये दिए 11 करोड़ परिवार यानी 30 से 35 करोड़ लोगों तक पहुंचाए जाएंगे। राष्ट्रीय कामध ेनु आयोग के अध्यक्ष डॉ. वल्लभ कथीरिया ने बताया कि इस साल की दीपावली कामधेनु माता को समर्पित करनी है।

दीपावली के आड़े गिनती के दिन रह गए हैं और राष्ट्रीय कामधेनु आयोग ने इस साल कोरोना महामारी के बीच घर घर गाय के गोबर से बने दीप प्रज्वलित करें, ऐसा आयोजन किया है। इसके लिए राष्ट्रीय कामध ेनु आयोग ने देशभर में गाय के गोबर से बने 33 करोड़ दिए 11 करोड़ परिवारों को उपलब्ध कराए जाएंगे।

इतना ही नहीं अनेक परिवारों को रोजगार देकर आत्मनिर्भर भ. ारत अभियान को भी सार्थक किया जाएगा। इसके लिए देश के अलग अलग राज्यों के गौसंवर्द्धन आयोग, स्वयंसेवी संगठन, मंदिर–आश्रम, मठ और गौशालाओं, स्वयं सेवी संस्था और महिला कॉ. ऑपरेटिव सोसायटी का संपर्क किया गया है। 'गोमये वसते लक्ष्मी' यानी गाय हो वहां लक्ष्मी का वास होता है। गाय के गोबर से बनाए जानेवाले दीपक के इस प्रोजेक्ट का नाम दीपक कामधेनु दीपावली दिया गया है। जिसमें गाय के गोबर से दीपक, लाभ–शुभ, लक्ष्मी–गणेश मूर्तियां और झालर–बैनर बनाए गए हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)